सांध्य दैनिक
4PM

जब आप सांस लेते हैं, आप भगवान से शक्ति ले रहे होते हैं। जब आप सांस छोड़ते हैं तो ये उस सेवा को दर्शाता है जो आप दुनिया को दे रहे हैं।
–बी के एस आयंगर

मूल्य ₹ 3/-

जिद...सच की

www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_SanjayS YouTube @4pm NEWS NETWORK

● वर्षः 12 ● अंक 152 पृष्ठः 8 ● लखनऊ, गुरुवार 9 जुलाई, 2026

भारत और इंग्लैंड के बीच चौथा टी20... 7 | मप्र में बिगड़ी कांग्रेस की लय... 3 | सनातन को अधर्मियों से मुक्त... 2

चारों ओर दान चोरी की घटनाओं का शोर

अयोध्या में घट गयी श्रद्धालुओं की संख्या

- श्री राम मंदिर अयोध्या से उठे दान चोरी प्रकरण की आग पहुंची मंध्य प्रदेश
- बंगालमुखी मंदिर में भी दान चोरी
- मामला सुप्रीम कोर्ट की चौखट पर पहुंचा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। अयोध्या के श्री राम मंदिर से प्रकाश में दान चोरी प्रकरण से मिलते जुलते केसेज की देश में बाढ़ सी आ गयी है। देश के विभिन्न हिस्सों में स्थित अलग–अलग मंदिरों से इससे मिलते जुलते प्रकरण सामने आ रहे हैं।

ताजा मामाल मध्य प्रदेश में मां बगलामुखी मंदिर में दान–चढ़ावे को लेकर सामने आया है जहां कुछ लोगों ने मंदिर दान को निजी खातों में जमा करवा लिया है। विवाद बढ़ रहा है और डीएम ने तीन सदस्यीय जांच समिति को गठित कर रिपोर्ट देने के लिए कहा है। वहीं मीडिया रिपोर्टस के मुताबिक लगता है कि दान चोरी प्रकरण का असर लोगों के दिलों दिमाग पर हो रहा है और अयोध्या में श्रद्धालुओं की संख्या में भारी गिरावट देखने का मिल रही है।

अलग–अलग तरीकों से कर रहे हैं दान चोरी

मध्य प्रदेश के आगर मालवा जिले स्थित प्रसिद्ध मां बगलामुखी मंदिर नलखेड़ा में दान और चढ़ावे की व्यवस्था को लेकर विवाद सामने आया है। मंदिर में वित्तीय अनियमितताओं और दान की राशि निजी बैंक खातों में जमा किए जाने के आरोपों के बाद जिला प्रशासन ने मामले की जांच के आदेश दिए हैं। कलेक्टर प्रीति यादव ने मामले की निष्पक्ष जांच के लिए तीन सदस्यीय संयुक्त जांच समिति का गठन किया है। समिति को सात दिनों के भीतर अपनी रिपोर्ट सौंपने के निर्देश दिए गए हैं। प्रशासन को मिली शिकायतों में आरोप लगाया गया है कि मंदिर परिसर में एक गैर शासकीय समिति शासकीय प्रबंधन समिति से अलग व्यवस्था संचालित करते हुए श्रद्धालुओं से नकद के अलावा सोना-चांदी के रूप में भी दान ले रही है। शिकायतों में निजी बैंक खातों के उपयोग और वित्तीय लेन-देन में अनियमितताओं के भी आरोप लगाए गए हैं। डीएम द्वारा बनाई गयी समिति रसीद पुस्तिकाओं बैंक खातों दान से संबंधित दस्तावेजों तथा अन्य अभिलेखों की जांच करेगी। साथ ही यह भी पता लगाया जाएगा कि मंदिर में किसी गैर शासकीय अथवा अपंजीकृत संस्था द्वारा समानांतर दान व्यवस्था संचालित की जा रही थी या नहीं। जांच के दौरान प्राप्त नकद राशि, स्वर्ण एवं रजत सामग्री के रिकॉर्ड, लेखा-जोखा तथा संबंधित दस्तावेजों का सत्यापन किया जाएगा। इसके अलावा यदि किसी शासकीय अधिकारी, कर्मचारी, मंदिर प्रबंधन अथवा अन्य संबंधित व्यक्ति की भूमिका संदिग्ध पाई जाती है तो उसकी जिम्मेदारी भी निर्धारित की जाएगी। मां बगलामुखी मंदिर, नलखेड़ा देशभर के श्रद्धालुओं की आस्था का प्रमुख केंद्र माना जाता है। ऐसे में दान और चढ़ावे से जुड़े आरोपों की जांच को लेकर स्थानीय लोगों और श्रद्धालुओं की नजरें प्रशासन की कार्रवाई पर टिकी हैं।

राम जन्मभूमि ट्रस्ट के धन में गड़बड़ी की जांच की मांग सुप्रीम कोर्ट में, याचिका दाखिल

श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के धन के दुरुपयोग और वित्तीय अनियमितताओं के आरोपों की निष्पक्ष जांच की मांग को लेकर सुप्रीम कोर्ट में एक याचिका दायर की गई है। यह याचिका अधिवक्ता अजय कुमार राय और दिनेश कुमार यादव की ओर से दाखिल की गई है। याचिका में मांग की गई है कि राम जन्मभूमि ट्रस्ट के धन में कथित गड़बड़ियों के आरोपों को लेकर एफआईआर दर्ज करने का निर्देश दिया जाए। याचिकाकर्ताओं ने सुप्रीम कोर्ट से अनुरोध किया है कि मामले की निष्पक्ष और समयबद्ध जांच के लिए सीबीआई की अगुवाई में एक विशेष जांच दल एसआईटी का गठन किया जाए। उनका कहना है कि जांच के जरिए यह स्पष्ट किया जाना आवश्यक है कि दान के रूप में प्राप्त धनराशि में किसी प्रकार की गड़बड़ी गबन या भ्रष्टाचार हुआ है या नहीं। याचिका में यह भी मांग की गई है कि अदालत राम जन्मभूमि ट्रस्ट और उत्तर प्रदेश सरकार को ट्रस्ट की धनराशि एवं संपत्तियों की निगरानी के लिए मजबूत ऑडिट और जांच व्यवस्था विकसित करने का निर्देश दे ताकि भविष्य में इस तरह की शिकायतों की पुनरावृत्ति न हो। इसके अलावा याचिकाकर्ताओं ने अदालत से अनुरोध किया है कि जांच पूरी होने तक सभी महत्वपूर्ण रिकॉर्ड और दस्तावेज सुरक्षित रखने के निर्देश दिए जाएं। इनमें बैंक खातों का विवरण, दान रजिस्टर, ऑडिट रिपोर्ट, सीसीटीवी फुटेज, कंप्यूटर डेटा और अन्य संबंधित अभिलेख शामिल हैं। किसी भी व्यक्ति या संस्था को मामले से जुड़े रिकॉर्ड अथवा सबूतों को नष्ट करने, हटाने या उनमें किसी प्रकार की छेड़छाड़ करने से रोका जाए। गौरतलब है कि इस मामले में एसआईटी की रिपोर्ट सार्वजानिक की जा चुकी है। राम मंदिर ट्रस्ट की बैठक भी हुई जिसके बाद चंपत राय और अनिल मिश्रा के इस्तीफे की जानकारी सामने आई।

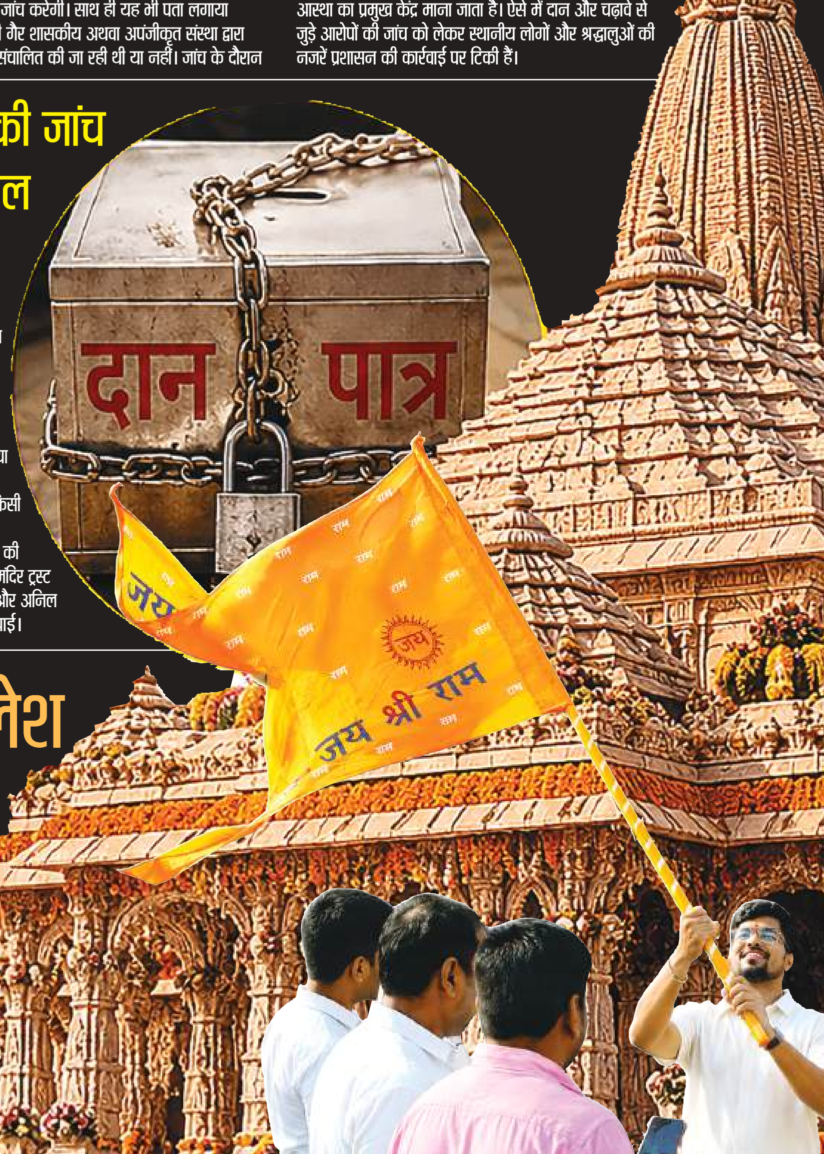

मंदिर दान चोरी प्रकरण में आग बबूला अखिलेश

समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने भाजपा पर जबर्दस्त अटैक करते हुए कहा है कि राम मंदिर के चढ़ावे को लेकर सामने आए विवाद का जिक्र करते हुए कहा है कि भाजपा की धर्म और धन की राजनीति दोनों का अंत हो गया है। उन्होंने कहा कि इस प्रकरण के बाद उन लोगों का भी भ्रम टूट गया है जो मानते थे कि भाजपा इस तरह के कार्य नहीं कर सकती। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा के लिए अब धन ही धर्म बन गया है। सपा प्रमुख ने दावा किया कि चढ़ावे चंदे और दान से जुड़े कथित विवादों के सामने आने के बाद भाजपा की धर्म आधारित राजनीति कमजोर पड़ गई है। उनका कहना था कि अब भाजपा केवल धन की राजनीति करेगी जिससे भ्रष्टाचार और महंगाई दोनों बढ़ेंगे। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा जनसमर्थन में आई कमी को धनबल के जरिए पूरा करने की कोशिश करेगी लेकिन देश की धार्मिक आस्था रखने वाली जनता कथित तौर पर ऐसे धन को स्वीकार नहीं करेगी। अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा की धर्म और धन दोनों की राजनीति अब समाप्ति की ओर है।

सनातन को अधर्मियों से मुक्त कराना जरूरी : अखिलेश यादव

» शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद से मिले सपा प्रमुख

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद से मुलाकात की और इसकी तस्वीरें शेयर कर कहा कि हमने सनातन को अधर्मियों से मुक्त कराने पर चर्चा की। मुलाकात की तस्वीरें एक्स पर शेयर करते हुए उन्होंने कहा कि हमने सनातन पर आए संकट और उसे अधर्मियों से मुक्त करने के लिए आपस में चर्चा की।

उन्होंने एक्स पर लिखा कि आज प्रातः काल पूज्य शंकराचार्य जी के दर्शन एवं आशीर्वाद के सौभाग्यशाली क्षण और सनातन पर आए संकट को दूर करने व अधर्मियों के चंगुल से धर्म को मुक्ति दिलाने के लिए सार्थक वार्ता। उल्लेखनीय है कि अखिलेश यादव ने अयोध्या के राम मंदिर में हुई चढ़ावा चोरी को लगातार उठाया और इसके सहारे भाजपा पर निशाना साधा।

अखिलेश यादव ने कहा कि राम मंदिर में चढ़ावा, चंदा व दान चोरी का समाचार समस्त विश्व में फैल चुका है। दुनिया के विभिन्न देशों में रहने वाला सनातनी भाजपा और उनके संगी-साथियों के कृत्यों से हो रही बदनामी की वजह से शर्मसार हैं और इसलिए आहत भी कि उन्होंने भी मंदिर में दान-चंदा भिजवाया था या स्वयं आकर चढ़ाया था। इस प्रकरण से विश्व में सनातन समाज आक्रोशित है, क्योंकि धर्म के साथ देश को भी भाजपा के अधर्मियों के कारण अपयश का शिकार होना पड़ रहा है।

दुनिया भर के निवेशक भी अब अपना हाथ खींच रहे

अखिलेश यादव ने कहा कि दुनिया भर के निवेशक भी अब अपना हाथ खींच रहे हैं क्योंकि उन्हें लग रहा है कि ऐसी सरकार का क्या भरोसा जिसने अपने भगवान के दानपात्र तक को नहीं छोड़ा, वो कल को हमारे निवेश को क्या छोड़ेगी। भाजपा सरकार ने अपनी धार्मिक, सांस्कृतिक, राजनीतिक और आर्थिक विश्वसनीयता पूरी तरह खो दी है। सपा अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने कहा कि अयोध्या के मंदिर से चढ़ावा, चंदा व दान चोरी का समाचार समस्त विश्व में फैल चुका है। दुनिया के विभिन्न देशों में रहने वाला सनातनी भाजपा और उनके संगी-साथियों के कृत्यों से हो रही बदनामी की वजह से शर्मसार हैं और इसलिए आहत भी कि उन्होंने भी मंदिर में दान-चंदा भिजवाया था या स्वयं आकर चढ़ाया था। इस प्रकरण से विश्व में सनातन समाज आक्रोशित है, क्योंकि धर्म के साथ देश को भी भाजपा के अधर्मियों के कारण अपयश का शिकार होना पड़ रहा है।

गृह मंत्री के पद का सम्मान करें सीएम फणनवीस : राउत

» महिला डॉक्टरों और नर्सों पर हुए हमले को लेकर भाजपा सरकार को घेरा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। शिवसेना (यूबीटी) नेता संजय राउत ने कल्याण-डोंबिवली म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन के एक अस्पताल में महिला डॉक्टरों और नर्सों पर हुए हमले को लेकर मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के नेतृत्व वाली महाराष्ट्र सरकार की आलोचना की। उन्होंने मिंधे गैंग के नाम से जाने जाने वाले दोषियों के लिए कड़ी सज़ा की मांग की।

मुख्यमंत्री पर तंज कसते हुए राउत ने कहा कि माननीय मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस जी, कृपया अपने पास मौजूद गृह मंत्री के पद का सम्मान करें! कोरोना के समय में लोगों की सेवा करने वालीं सफ़ेद कपड़ों में फ़रिश्तों जैसी महिला डॉक्टर और नर्सों को मिंधे गैंग के गुंडे अस्पताल में घुसकर बेरहमी से पीटते हैं क्या यही कानून का राज है? उन्होंने मुख्यमंत्री फडणवीस से यह भी कहा कि उन सभी को हथकड़ी पहनाई जाए और उन्हें सिर्फ़ अंडरवियर और बनियान में सड़कों पर घुमाया जाए! इस बीच, शिवसेना के कॉर्पोरेटर रमेश म्हात्रे ने चाइल्ड्स अस्पताल में महिला डॉक्टरों और नर्सों के साथ मारपीट के आरोपों से इनकार किया। एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में उन्होंने कहा कि कैमरा एंगल की वजह से फुटेज शायद वैसा दिख रहा हो और ज़ोर देकर कहा कि अस्पताल के दौरे के दौरान उन्होंने किसी भी मेडिकल स्टाफ़ पर हाथ नहीं उठाया। म्हात्रे ने इस घटना पर अफ़सोस जताया और बताया कि उन्होंने नर्स के हाथ पर इसलिए थपथपाया क्योंकि वह उनकी शिकायतें नहीं सुन रही थीं और फ़ोन पर बात कर रही थीं। उन्होंने आगे कहा, मैं हुई मारपीट की घटना पर अफ़सोस ज़ाहिर करता हूँ। मैं पूरे भरोसे के साथ कहता हूँ कि मैंने महिला डॉक्टर पर हाथ नहीं उठाया। सीसीटीवी फुटेज में जो दिख रहा है, वह कैमरे के एंगल की वजह से वैसा लग सकता है। मैं उनसे अनौपचारिक रूप से (तू कहकर) बात करता हूँ क्योंकि वह मेरी बेटी जैसी हैं। मुझे यह भी नहीं पता कि उनकी शादी हुई है या नहीं। उन्होंने कहा कि जब हम बात कर रहे थे, तो वह फ़ोन पर बात करती रहीं और हमारी शिकायत नहीं सुन रही थीं; इसीलिए मैंने उनके हाथ पर थपथपाया। हम बालासाहेब की सीख पर चलते हैं। हमने कभी महिलाओं पर हाथ नहीं उठाया और न ही भविष्य में कभी ऐसा करेंगे।

फिर महाराष्ट्र में बढ़ी सियासी हलचल

» एकनाथ शिंदे एनसीपी-एसपी विधायकों से मिले

» दोनों से गठबंधन में शामिल होने से इंकार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। महाराष्ट्र विधान भवन में शरद पवार की एकनाथ शिंदे के दफ्तर में एनसीपी (एसपी) विधायकों से हुई मुलाकात ने राज्य की राजनीतिक हलचल बढ़ा दी। इस घटना ने पार्टी के एनडीए में शामिल होने की अटकलों को जन्म दिया, जिसे एनसीपी (एसपी) और सत्ताधारी गठबंधन दोनों ने ही पूरी तरह से खारिज करते हुए इसे महज एक इत्तेफ़ाक या लॉजिस्टिकल सुविधा बताया है।

यह प्रकरण महाराष्ट्र की मौजूदा राजनीतिक स्थिति में नई चर्चाओं का विषय बन गया है। विधान भवन में महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के ऑफ़र में नेशनलिस्ट कांग्रेस पार्टी (शरदचंद्र पवार) के प्रमुख शरद पवार और उनकी पार्टी के विधायकों के बीच हुई मुलाक़ात से नई राजनीतिक अटकलें शुरू हो गई। हालांकि, बाद में एनसीपी-एसपी और सत्ताधारी गठबंधन के नेताओं ने ज़ोर देकर कहा कि यह मुलाक़ात पूरी तरह से इत्तेफ़ाक थी और इसका किसी भी तरह के राजनीतिक बदलाव से कोई लेना-देना नहीं था। इस घटनाक्रम ने महाराष्ट्र के राजनीतिक हलकों में तेज़ी से चर्चा छेड़ दी, क्योंकि पवार – जिनकी पार्टी विपक्षी महा विकास अघाड़ी का एक अहम हिस्सा है – को एकनाथ शिंदे के चैंबर में अपनी पार्टी के विधायकों से मिलते हुए देखा गया, जबकि शिंदे की शिवसेना सत्ताधारी महायुति गठबंधन का हिस्सा है।

हालांकि, दोनों पक्षों ने उन अटकलों को खारिज कर दिया कि इस बैठक से राजनीतिक समीकरणों में कोई बदलाव का संकेत मिलता है। शरद पवार महाराष्ट्र विधानसभा परिसर में उस हाई-पावर्ड कमेटी की बैठक में शामिल होने गए थे, जिसे राज्य सरकार ने महाराष्ट्र-कर्नाटक सीमा विवाद के लंबे समय से लंबित मुद्दे को सुलझाने के लिए गठित किया था। उपमुख्यमंत्री कार्यालय के अनुसार, कमेटी की बैठक खत्म होने के बाद पवार ने एकनाथ शिंदे से उनके चैंबर में जाकर शिष्टाचार भेंट की।

इस मुलाकात का कोई राजनीतिक महत्व नहीं : जयंत पाटिल

जयंत पाटिल ने कहा कि यह जगह सिर्फ़ लॉजिस्टिकल कारणों से चुनी गई थी और इसका कोई राजनीतिक महत्व नहीं था। उन्होंने बताया कि पार्टी के विधायक शरद पवार से तब मिलना चाहते थे, जब वे विधान भवन परिसर से निकलने वाले थे। पाटिल के अनुसार, उस कमरे तक वापस जाना, जहाँ ज़्यादातर विपक्षी विधायक बैठते हैं, अनुभवी नेता के लिए मुश्किल होता।

हिमाचल में भाजपा व कांग्रेस में बढ़ी रार

भाजपा अध्यक्ष बिंदल बोले- राजशाही की मानसिकता छोड़ें विक्रमादित्य

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

बिलासपुर। हिमाचल प्रदेश में भाजपा व कांग्रेस में वार-पलटवार जारी है। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष डॉ. राजीव बिंदल ने लोक निर्माण मंत्री विक्रमादित्य सिंह पर पलटवार करते हुए कहा कि लोकतंत्र में नेतृत्व जनता तय करती है। उन्होंने मंत्री पर व्यक्तिगत आरोप लगाने का आरोप लगाया और कांग्रेस सरकार की कार्यशैली, सड़कों की स्थिति, बेरोजगारी तथा हालिया चुनावी प्रदर्शन को लेकर भी सवाल उठाए।

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के प्रदेश अध्यक्ष राजीव बिंदल ने लोक निर्माण मंत्री विक्रमादित्य सिंह के हालिया बयानों पर तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा है कि लोकतांत्रिक व्यवस्था में नेतृत्व का निर्णय जनता करती है, न कि किसी परिवार या वंश के आधार पर। उन्होंने आरोप लगाया कि मंत्री के बयान राजशाही मानसिकता को दर्शाते हैं। डॉ. बिंदल ने कहा कि सार्वजनिक जीवन में नेतृत्व का अधिकार सभी नागरिकों को समान रूप से प्राप्त है और लोकतंत्र में जनता का जनादेश ही सर्वोपरि होता है। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि उनका परिवार लंबे समय से समाज सेवा से जुड़ा रहा है और उन्हें अपनी सामाजिक प्रतिबद्धता साबित करने की कोई आवश्यकता नहीं है।

भाजपा प्रदेशाध्यक्ष ने आरोप लगाया कि विक्रमादित्य सिंह लगातार व्यक्तिगत टिप्पणियां कर राजनीतिक विमर्श के स्तर को गिरा रहे हैं। उन्होंने दावा किया कि इससे पहले भी मंत्री द्वारा उनके खिलाफ की गई टिप्पणियों को लेकर उन्होंने उच्च न्यायालय में मानहानि का मामला दायर किया था। भाजपा प्रदेशाध्यक्ष ने हाल के पंचायती राज और नगर निकाय चुनावों में कांग्रेस को अपेक्षित सफलता न मिलने का हवाला देते हुए कहा कि इसी के कारण विपक्ष पर व्यक्तिगत हमले किए जा रहे हैं। उन्होंने दावा किया कि चुनाव परिणाम जनता के रुख को स्पष्ट करते हैं।

सरकार के कार्यकाल पर उठाए सवाल

डॉ. बिंदल ने राज्य सरकार के कार्यकाल पर भी सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि प्रदेश में सड़कों की दयनीय स्थिति, विकास कार्यों की धीमी गति और बेरोजगारी जैसे मुद्दों पर जनता परेशान है। उनका आरोप था कि सरकार इन गंभीर समस्याओं के समाधान पर ध्यान केंद्रित करने के बजाय राजनीतिक बयानबाजी में अधिक समय व्यतीत कर रही है।

विकास कार्यों को प्राथमिकता देने की अपील

अंत में, भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ने सरकार से राजनीतिक आरोप-प्रत्यारोप से ऊपर उठकर विकास कार्यों, सड़कों की स्थिति, रोजगार सृजन और अन्य जनहित के मुद्दों पर प्राथमिकता से काम करने की अपील की। उन्होंने जोर दिया कि प्रदेश की प्रगति के लिए ठोस कदम उठाना आवश्यक है।

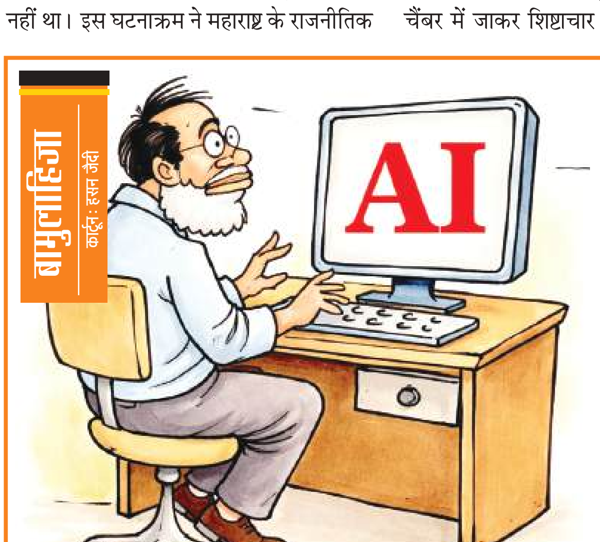

पंजाब कांग्रेस में बैकफुट पर आया बगावती गुट

प्रियंका गांधी के फोन के बाद चन्नी ने बुलाई बैठक, पूर्व मंत्री को मनाने पहुंचे बघेल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

चंडीगढ़। पंजाब कांग्रेस में बगावत जारी है। नाराज नेताओं का गुट फिलहाल बैकफुट पर दिख रहा है। वहीं इसी बीच जानकारी आई है कि प्रियंका गांधी ने चरणजीत चन्नी से फोन पर बात की थी। इसके बाद चन्नी ने अपने समर्थकों की बैठक बुला ली है।

बागी गुट में हाईकमान से मिलने का समय मिलने की उम्मीद जगी है। वहीं भूपेश बघेल पूर्व मंत्री ब्रह्म महेंद्र को मनाने पहुंचे है। पंजाब प्रभारी भूपेश बघेल का दावा है कि हाईकमान फैसला तो नहीं बदलेगा मगर सभी नाराज नेता जल्द एकजुट हो जाएंगे। चरणजीत सिंह चन्नी मोरिंडा आवास पर अपने समर्थक नेताओं की बैठक बुला सकते हैं। चन्नी समर्थकों की मांग है कि पूर्व सीएम चन्नी को प्रदेश अध्यक्ष बनाया जाए या सीएम फेस। इससे पहले हाईकमान से सलाह मशविरे के बाद पंजाब कांग्रेस में चल रही बगावत पर प्रदेश प्रभारी बघेल के स्पष्ट रुख से बागी नेता थोड़े दबाव में आ गए हैं। उन्होंने साफ कर दिया है कि पंजाब में नेतृत्व और गठित की गई चुनावी कमेटियों के फैसले पर कोई परिवर्तन नहीं होगा। बघेल के इस कड़े संदेश के बाद बागी गुट में हलचल है। नाराज नेताओं को यह भी संकेत दे दिए गए हैं कि हाईकमान के फैसले को न मानने वाले नेता हाशिये पर कर दिए जाएंगे और आगामी विधानसभा चुनाव में वे टिकट की रेस से बाहर भी हो सकते हैं। राहुल गांधी ने भी फरवरी में पंजाब दौरे के दौरान बरनाला में मल्लिकार्जुन खरगे की मौजूदगी में सभी वरिष्ठ कांग्रेसियों को दो टूक कह दिया था कि पार्टी में एकजुट होकर रहना होगा अन्यथा उन्हें बाहर बैठा दिया जाएगा।

मप्र में बिगड़ी कांग्रेस की लय-ताल

कई गुटों के शोर से पटा भोपाल, पटवारी-दिग्विजय में मतभेद पर सवाल, दतिया उपचुनाव से पहले एकजुटता जरूरी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

भोपाल। एक तरफ कभी-कभी ऐसा लगता है कि कांग्रेस धीरे-धीरे देश फिर वापसी कर रही है। फिर दूसरे पल पंजाब व मप्र में कुछ ऐसा होता है जैसे लगता है अभी ठीक नहीं। कांग्रेस में गुटबाजी हमेशा हावी रही है। मप्र में जीतू पटवारी के प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष बनने के बाद कई पुराने नेता सीमित दायरे में रहकर काम कर रहे हैं। पार्टी में समय-समय पर बयानबाजी आपसी खटास की परतें खोलती दिखती हैं। वहीं पंजाब पूर्व सीएम चन्नी व राजा वड़िंग के बीच रस्सरकशी चल रही है। कभी-कभी यह हवा राजस्थान में पायलट व गहलोत में दिखाई देता है। ताजा मामला पंजाब के साथ मप्र में है।

हालांकि पटवारी व दिग्गी राजा ने किसी भी मनमुटाव से इंकार किया है। मध्य प्रदेश के दतिया में उपचुनाव हैं। जब कांग्रेस को एक होकर मैदान में उतरना चाहिए, तब भी पार्टी अलग-अलग पॉवर सेंटर में बंटी नजर आ रही है। कांग्रेस की एकजुटता की कमी एक बार फिर उज्जैन में वीर भारत न्यास को जमीन देने के आरोपों पर खुलकर सामने आई थी। प्रदेश अध्यक्ष और एक वरिष्ठ कांग्रेस नेता के बीच बयानबाजी और उसके बाद कांग्रेस के भीतर ही खिलाफत की खबरों ने सियासी हलचल बढ़ा दी है। कुल मिलाकर कहें तो कांग्रेस में सबकुछ ठीक नहीं चल रहा है। हाल ही में पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह और नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार के बीच हुई बंद कमरे में लंबी बातचीत से नई सियासी समीकरणों को हवा मिल रही है।

दो दशक से सत्ता से बाहर चल रही मध्यप्रदेश कांग्रेस

लगभग दो दशक से सत्ता से बाहर चल रही मध्यप्रदेश कांग्रेस आज भी अंदरूनी खींचतान से पूरी तरह बाहर नहीं निकल पाई है। प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी और नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार के रूप में कांग्रेस ने नई पीढ़ी को नेतृत्व सौंपा है, लेकिन प्रदेश की राजनीति में दिग्विजय सिंह और कमलनाथ जैसे वरिष्ठ नेताओं का प्रभाव अभी भी कायम है। इसी बीच उमंग सिंघार का अचानक दिग्विजय सिंह के निवास पहुंचना और दोनों नेताओं के बीच करीब दो घंटे तक बंद कमरे में चर्चा होना कई सवाल छोड़ गया है। सबसे बड़ा सवाल यही है कि क्या यह केवल शिष्टाचार मुलाकात थी या फिर कांग्रेस के भीतर बदलते राजनीतिक समीकरणों का संकेत? ये भी बता दें कि दिग्विजय सिंह और उमंग सिंघार के रिश्ते हमेशा सहज नहीं रहे हैं। वर्ष 2018 में कांग्रेस सरकार बनने के बाद उमंग सिंघार ने दिग्विजय सिंह पर सरकार में हस्तक्षेप और पर्दे के पीछे से फैसले लेने जैसे आरोप लगाए थे। उस समय दोनों नेताओं के बीच खुलकर बयानबाजी भी हुई थी।

नई और पुरानी पीढ़ी के बीच तालमेल बड़ी चुनौती

कांग्रेस हाईकमान ने प्रदेश अध्यक्ष और नेता प्रतिपक्ष जैसे दोनों अहम पद नई पीढ़ी के नेताओं को सौंपे हैं। जीतू पटवारी और उमंग सिंघार को राहुल गांधी की टीम का करीबी माना जाता है। वहीं दिग्विजय सिंह लंबे समय तक प्रदेश कांग्रेस की राजनीति के सबसे प्रभावशाली नेताओं में रहे हैं। कमलनाथ की प्रदेश में सक्रियता पहले की तुलना में काफी कम हुई है। उनका अधिकांश समय अब छिंदवाड़ा तक सीमित रहता है। इसके विपरीत दिग्विजय सिंह लगातार प्रदेशभर में सक्रिय हैं और राजनीतिक मुद्दों पर खुलकर अपनी राय रखते हैं। ऐसे में नई और पुरानी पीढ़ी के बीच बेहतर तालमेल बनाए रखना कांग्रेस नेतृत्व के सामने बड़ी चुनौती माना जा रहा है।

कांग्रेस में सब ठीक नहीं वाली बात फिर क्यों उठी?

यूं तो कांग्रेस में गुटबाजी हमेशा हावी रही है। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष बनने के बाद कमलनाथ समेत कई नेता सीमित दायरे में रहकर काम कर रहे हैं। समय-समय पर बयानबाजी आपसी खटास की परतें खोलती दिखती हैं। ऐसा ही ताजा मामला उज्जैन स्थित वीर भारत न्यास को जमीन आवंटन के आरोपों पर सामने आया। हाल ही में कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी ने आरोप लगाया था कि राज्य सरकार ने करीब 500 करोड़ रुपये मूल्य की सरकारी जमीन मात्र एक रुपये में वीर भारत न्यास के सचिव और मुख्यमंत्री के संस्कृति सलाहकर श्रीराम तिवारी से जुड़े एक ट्रस्ट को आवंटित कर दी। उन्होंने इस मामले में सरकार पर पक्षपात और नियमों के उल्लंघन का आरोप लगाया था। पटवारी के आरोपों के बाद यह मामला राजनीतिक रूप से गरमा गया था। हालांकि बाद में पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह ने भी इस मामले पर अलग राय रखते हुए कहा था कि संबंधित जमीन एक सरकारी ट्रस्ट से जुड़ी व्यवस्था के तहत है, जिसके बाद कांग्रेस के भीतर भी इस मुद्दे पर अलग-अलग बयान सामने आए थे।

गुटबाजी पार्टी की बड़ी कमजोरी

एक वरिष्ठ पत्रकार का कहना है कि यदि मध्यप्रदेश कांग्रेस पूरी तरह एकजुट होकर चुनावी मैदान में उतरे, तो वह भाजपा को कड़ी टक्कर दे सकती है। लेकिन फिलहाल पार्टी के भीतर अलग-अलग शक्ति केंद्र दिखाई देते हैं। सार्वजनिक तौर पर नेता एकजुटता का संदेश देते हैं, जबकि अंदरूनी स्तर पर मतभेद समय-समय पर सामने आते रहते हैं। उनके अनुसार यही कांग्रेस की सबसे बड़ी चुनौती है। नेताओं की मुलाकातें सकारात्मक संदेश जरूर देती हैं, लेकिन असली एकजुटता तभी मानी जाएगी, जब यह चुनावी रणनीति और संगठनात्मक कामकाज में भी नजर आए।

आखिर क्यों उठ रहे सवाल?

एक अन्य वरिष्ठ पत्रकार कांग्रेस की अंदरूनी राजनीति पर कहते हैं कि जिस तरह की मदद पटवारी को वरिष्ठ नेताओं से मिलना चाहिए, वैसी मिल नहीं रही है। एकजुटता का दिखावा कांग्रेस को अगले विधानसभा चुनाव में भारी पड़ सकता है। राजनीतिक जानकार बताते हैं कि कांग्रेस में दिखावे की एकजुटता है। पटवारी कांग्रेस की बी टीम को ज्यादा महत्व दे रहे हैं। इस कारण कांग्रेस के वरिष्ठ नेता कार्यक्रमों, प्रदर्शनों में मुंह दिखाई की रस्म निभाते नजर आते हैं, जबकि उनके अनुभव का लाभ पार्टी उठा सकती है। पटवारी और दिग्विजय सिंह के सरकार द्वारा उज्जैन में लीज पर ट्रस्ट को दी गई जमीन को लेकर अलग-अलग बयान नजर आए, उससे यह तो तय हो चुका है कि इस तरह के बड़े मुद्दों पर भी पटवारी वरिष्ठ नेताओं के साथ बैठकर रणनीति नहीं बनाते हैं। यदि ऐसा होता तो दोनों की अलग-अलग राय सामने नहीं आती।

जीतू-दिग्विजय विवाद के बाद बढ़ी हलचल

यह मुलाकात ऐसे समय हुई है, जब प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी और दिग्विजय सिंह के बयानों को लेकर पार्टी असहज स्थिति में नजर आई थी। जीतू पटवारी ने उज्जैन में सरकारी जमीन आवंटन को लेकर भाजपा सरकार पर 500 करोड़ रुपये की जमीन एक रुपये में देने का आरोप लगाया था। इसके बाद दिग्विजय सिंह ने सार्वजनिक रूप से कहा कि संबंधित जमीन सरकारी ट्रस्ट की है और उसे निजी संस्था को नहीं दिया गया। भाजपा ने इसे कांग्रेस के अंदर की लड़ाई बताकर बड़ा राजनीतिक मुद्दा बनाया। इस मामले के बढ़ने के बाद दिग्विजय सिंह ने भोपाल में यह स्पष्ट किया कि भ्रष्टाचार के मुद्दे पर कांग्रेस पूरी तरह एकजुट है और उनके तथा जीतू पटवारी के बीच किसी तरह का मतभेद नहीं है।

विधायक-पूर्व विधायक भी उतरे विरोध में

विधायक आरिफ मसूद ने कहा कि प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी ने भूमि आवंटन का गंभीर मुद्दा उठाया, लेकिन दिग्विजय सिंह के बयान के बाद कार्यकर्ताओं में भ्रम की स्थिति बन गई है। उन्होंने कहा कि जब कांग्रेस जनता के बीच जाएगी तो लोग पूछेंगे कि आखिर सही कौन है, जीतू पटवारी या दिग्विजय सिंह। पहले पार्टी के भीतर एक राय बननी चाहिए, तभी आंदोलन प्रभावी होगा। पूर्व विधायक प्रवीण पाठक ने भी नाराजगी जताते हुए कहा कि मैदान में पार्टी कार्यकर्ता संघर्ष कर रहा है, लेकिन यदि वरिष्ठ नेता ही प्रदेश अध्यक्ष के रुख को कमजोर करेंगे तो जनता के सामने जवाब देना मुश्किल हो जाएगा। उन्होंने कहा कि ऐसे बयान पार्टी की पूरी मुहिम को नुकसान पहुंचा सकते हैं और कार्यकर्ताओं का मनोबल टूटेगा।

वरिष्ठ नेताओं की खिलाफत भी चर्चा में

हाल ही में उज्जैन के वीर भारत न्यास पर प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी और पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह के बीच दिखी अलग बयानबाजी पर संगठन के भीतर भी खुली खिलाफत दिखने लगी। कांग्रेस की प्रदेश महासचिव निधि सत्यव्रत चतुर्वेदी ने फेसबुक पोस्ट के जरिए दिग्विजय सिंह पर तीखा हमला बोलते हुए पार्टी नेतृत्व से उनके खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई की मांग कर डाली। पूर्व सांसद सत्यव्रत चतुर्वेदी की बेटी निधि ने अपनी पोस्ट में कहा कि किसी भी वरिष्ठ नेता को प्रदेश अध्यक्ष के खिलाफ सार्वजनिक मंच से बयान देकर पार्टी की छवि को नुकसान नहीं पहुंचाना चाहिए। उनका कहना है कि यदि किसी मुद्दे पर असहमति थी तो उसे संगठन के भीतर उठाया जाना चाहिए था, न कि मीडिया के सामने। निधि चतुर्वेदी ने आरोप लगाया कि दिग्विजय सिंह व्यक्तिगत महत्वाकांक्षा और पुत्र-मोह के कारण संगठन को कमजोर कर रहे हैं। उन्होंने दावा किया कि अपने बेटे जयवर्धन सिंह को आगे बढ़ाने की राजनीति में पार्टी अनुशासन की अनदेखी की जा रही है। निधि ने अपनी पोस्ट में 2020 में कांग्रेस सरकार गिरने, 23 विधानसभा चुनाव, 24 लोकसभा चुनाव और हालिया राज्यसभा चुनाव का उल्लेख करते हुए कहा कि लगातार अंदरूनी खींचतान से पार्टी को नुकसान उठाना पड़ा है। हालांकि कांग्रेस संगठन ने इस पर एक्शन लिया है और निधि को नोटिस थमा दिया गया। दूसरी तरफ, महिला उत्पीड़न प्रकोष्ठ की प्रदेश अध्यक्ष प्रियंका किरार को भी कारण बताओ नोटिस जारी किया गया। आरोप है कि उन्होंने अपने जिला कांग्रेस अध्यक्ष के खिलाफ सोशल मीडिया पर पोस्ट की, जो पार्टी अनुशासन के खिलाफ माना गया। उनसे भी सात दिन के भीतर जवाब देने को कहा गया है। प्रदेश कांग्रेस ने स्पष्ट किया है कि यदि दोनों नेताओं का जवाब संतोषजनक नहीं पाया गया तो संगठनात्मक अनुशासन के तहत आगे की कार्रवाई की जाएगी।

पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ की सक्रियता भी अब कम

पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ की सक्रियता भी अब कम हो गई है। वे भोपाल के बजाय छिंदवाड़ा और दिल्ली में ज्यादा सक्रिय रहते हैं। प्रदेश के मामलों में उनके बयान भी काफी कम आते हैं। पटवारी को प्रदेशाध्यक्ष बनाए जाने के बाद से ही कमलनाथ ने खुद की भूमिका पार्टी में सीमित कर दी थी। वे कांग्रेस नेता राहुल गांधी की गुड लिस्ट में हैं, लेकिन फिर भी वे प्रदेश की राजनीति में हस्तक्षेप नहीं कर रहे हैं। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष रहे

अरुण यादव और कांतिलाल भूरिया की निमाड़ और आदिवासी अंचल में मैदानी पकड़ है, लेकिन उन्होंने भी पार्टी में अपनी भूमिका सीमित कर ली है। आक्रामक रणनीति बनाने में मदद करने के बजाय दोनों नेता सिर्फ कांग्रेस के आयोजनों में नजर आते हैं। पटवारी भी भूरिया को ज्यादा महत्व देने के बजाय आदिवासी अंचल से नाता रखने वाले नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार के साथ तालमेल बनाकर चल रहे हैं।

जिद... सच की

Sanjay Sharma
editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

व्यवस्था को धरातल पर लाना जरूरी

पहले हिमाचल फिर डोडा उसके बाद वायनाड में भूस्खलन , तबाही और चारों मलबा ही बलबा। मानसून की शुरुआती दस्तक ने एक बार फिर देश के बुनियादी ढांचे की रीढ़ को झकझोर कर रख दिया है। मुंबई-पुणे एक्सप्रेस-वे के मिसिंग लिंक सेक्शन में खंडाला एग्जिट के पास हुआ भूस्खलन और रेलवे पटरियों पर यातायात का ठप होना महज एक भौगोलिक घटना नहीं है। यह हमारी विकासवादी सोच पर भी गंभीर सवालिया निशान है। यह त्रासदी तब और विकराल रूप ले लेती है जब हम पाते हैं कि आधुनिक मौसम विज्ञान में सटीक पूर्वानुमान की क्षमता होने के बावजूद, हम हर साल प्रकृति के ऐसे रौद्र रूप के सामने बेबस खड़े नजर आते हैं। व्यवस्था को अब कागजी सफाई से बाहर निकालकर धरातल पर कड़े कदम उठाने ही होंगे। तभी ऐसी सालाना त्रासदियों से बचा जा सकता है। पूरा मानसून अभी बाकी है, लेकिन शुरुआत ने ही भविष्य की भयावहता का अहसास करा दिया है। दरअसल, मानसून से जुड़ी ऐसी सालाना त्रासदी जल प्रबंधन की प्रशासनिक विफलता और अनियोजित शहरीकरण का सीधा परिणाम है। मानसून से पूर्व पहाड़ि यों की कमजोर सतह का वैज्ञानिक आकलन करने और ढलानों पर समुचित ड्रेनेज चैनल्स बनाने में हमारे इंजीनियर विफल रहे हैं। यही कहानी हमारे तमाम शहरों की भी है, जहां साल भर तक बरसाती नाले गाद से पटे रहते हैं। इतना ही नहीं प्राकृतिक जल निकासी के रास्तों पर कंक्रीट की अवैध कॉलोनियां खड़ी कर दी गई हैं। आधुनिकीकरण के नाम पर अनियोजित विकास ने हमारे शहरों को पहली तेज बारिश में ही जलाशयों में तब्दील करने का काम किया है। यदि वैश्विक परिप्रेक्ष्य को देखें, तो अमरीका और ब्रिटेन जैसे देशों ने इस दिशा में दूरगामी सोच के साथ प्रयास किए हैं। वहां लिडार जैसी अत्याधुनिक लेजर मैपिंग तकनीक से पहाड़ों की सूक्ष्म हलचल को ट्रैक किया जाता है और रॉकफॉल बैरियर्स के जरिए चट्टानों को हाईवे पर आने से रोका जाता है। ब्रिटेन में रेल सुरक्षा के लिए सेंसर-आधारित वेदर मॉनिटरिंग सिस्टम है, जो खतरा भांपते ही सेवाओं को स्वत: नियंत्रित कर देता है। इसके विपरीत, वर्ल्ड बैंक के आंकड़ों के अनुसार भारत को इस वर्षाजनित विफलता के कारण प्रतिवर्ष लगभग 80,000 करोड़ से 1,20,000 करोड़ रुपए का भारी-भरकम आर्थिक नुकसान झेलना पड़ता है, जिसमें अमूल्य मानवीय जीवन की क्षति भी शामिल है। अब समय आ चुका है कि हम आपदा के बाद राहत की नीति को छोड़कर आपदा से पूर्व सुरक्षा का दृष्टिकोण अपनाएं। नीति-नियंताओं को भूवैज्ञानिकों के समन्वय से डिजिटल ड्रेनेज ऑडिट और स्पंज सिटी जैसे सस्टेनेबल मॉडल्स को अनिवार्य बनाना होगा। प्रकृति को वश में करना असंभव है, लेकिन अपनी प्रशासनिक ईमानदारी और वैज्ञानिक इंजीनियरिंग के सामंजस्य से इसके नुकसान को न्यूनतम करना निश्चित रूप से हमारे हाथ में है।

"मानसून से पूर्व पहाड़ियों की कमजोर सतह का वैज्ञानिक आकलन करने और ढलानों पर समुचित ड्रेनेज चैनल्स बनाने में हमारे इंजीनियर विफल रहे हैं। यही कहानी हमारे तमाम शहरों की भी है, जहां साल भर तक बरसाती नाले गाद से पटे रहते हैं। इतना ही नहीं प्राकृतिक जल निकासी के रास्तों पर कंक्रीट की अवैध कॉलोनियां खड़ी कर दी गई हैं।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

कब भरेंगे जानलेवा अंधकूप

विवेक शर्मा

अम्बाला में खुले बोरवेल में गिरने वाले मासूम की मौत ने एक बार फिर यह साबित कर दिया कि देश में हादसों से सबक लेने की संस्कृति अब भी विकसित नहीं हो सकी है। यह केवल एक बच्चे की मौत नहीं, बल्कि प्रशासनिक लापरवाही, कमजोर निगरानी और सामाजिक उदासीनता का दुखद परिणाम है। सबसे बड़ी विडंबना यह है कि यह ऐसी त्रासदी थी, जिसे समय रहते रोका जा सकता था। यदि नियमों का ईमानदारी से पालन होता और अनुपयोगी बोरवेल समय रहते सुरक्षित ढंग से बंद कर दिए जाते, तो शायद एक और परिवार को यह असहनीय पीड़ा न झेलनी पड़ती।

दुर्भाग्य यह है कि यह कोई पहली घटना नहीं है। वर्ष 2006 में हरियाणा के कुरुक्षेत्र में प्रिंस के बोरवेल में गिरने की घटना ने पूरे देश को झकझोर दिया था। उस समय उम्मीद जगी थी कि अब खुले बोरवेल अतीत की बात बन जाएंगे। लेकिन उसके बाद हरियाणा, पंजाब, मध्य प्रदेश, राजस्थान, गुजरात और अन्य राज्यों से ऐसी घटनाएं लगातार सामने आती रहीं। हर बार वही दृश्य दोहराया जाता है। एनडीआरएफ, सेना और स्थानीय प्रशासन युद्धस्तर पर बचाव अभियान चलाते हैं। आधुनिक तकनीक और भारी संसाधन लगाए जाते हैं। पूरा देश प्रार्थना करता है और मीडिया लगातार घटनाक्रम पर नजर रखता है। फिर कुछ दिनों तक चर्चा होती है और मामला धीरे-धीरे सार्वजनिक स्मृति से ओझल हो जाता है। दुर्भाग्य से अगला हादसा होने तक व्यवस्था भी उसी विस्मृति का हिस्सा बनी रहती है। हादसों को भूल जाने की यही प्रवृत्ति इस समस्या को और गंभीर बनाती जा रही है।

सबसे गंभीर तथ्य यह है कि इस समस्या के समाधान के लिए कानूनों और दिशा-निर्देशों का अभाव नहीं है। सर्वोच्च न्यायालय वर्षों पहले स्पष्ट निर्देश दे चुका है कि नया बोरवेल खोदने से पहले स्थानीय प्रशासन को सूचना देना अनिवार्य होगा। बोरवेल के चारों ओर सुरक्षा घेरा बनाया जाएगा और अनुपयोगी बोरवेल को मिट्टी, रेत तथा कंकड़ से पूरी तरह भरकर स्थायी रूप से बंद किया जाएगा। मजबूत लोहे का ढक्कन लगाना भी आवश्यक है। राज्यों ने भी समय-समय पर अपने स्तर पर दिशा-निर्देश जारी किए हैं। इसके बावजूद इनका पालन प्रभावी ढंग से नहीं हो रहा। ग्राम पंचायतों, स्थानीय निकायों और जिला प्रशासन की निगरानी अक्सर कागजों तक सीमित रह जाती है। कार्रवाई तब होती है, जब कोई मासूम गड्ढे में गिर चुका होता है। यदि

नियमित सर्वेक्षण, प्रभावी निगरानी और समय पर कार्रवाई सुनिश्चित की जाए तो ऐसे अधिकांश हादसों को पहले ही रोका जा सकता है। इस समस्या का एक कारण लगातार गिरता भूजल स्तर भी है। हरियाणा और पंजाब जैसे राज्यों में किसान अधिक गहरे बोरवेल खोदने को विवश हैं। लेकिन जब कोई बोरवेल अनुपयोगी हो जाता है, तब उसे वैज्ञानिक तरीके से बंद करने के बजाय कई बार खुला छोड़ दिया जाता है। कुछ पैसे और थोड़ी मेहनत बचाने की यह लापरवाही किसी परिवार के लिए आजीवन दुख का कारण बन सकती है। भूमि मालिकों की यह जिम्मेदारी है कि वे अपने खेत या परिसर में मौजूद प्रत्येक अनुपयोगी बोरवेल को पूरी तरह सुरक्षित ढंग से बंद करें। यह केवल कानूनी दायित्व नहीं, बल्कि नैतिक उत्तरदायित्व भी है।

वास्तव में सिर्फ प्रशासन को दोष देकर समस्या का समाधान नहीं होगा। समाज को भी अपनी जिम्मेदारी निभानी होगी। यदि किसी गांव, खेत या खाली जमीन पर खुला बोरवेल दिखाई दे तो उसकी सूचना तत्काल प्रशासन को देना प्रत्येक नागरिक का कर्तव्य होना चाहिए। ग्राम पंचायतों को समय-समय पर ऐसे बोरवेल का सर्वेक्षण कराना चाहिए। स्कूलों और पंचायत स्तर पर जनजागरूकता अभियान भी चलाए जाने चाहिए, ताकि लोग संभावित खतरे को गंभीरता से लें। दुर्घटना के बाद शोक व्यक्त करने से कहीं अधिक जरूरी दुर्घटना से पहले सावधानी बरतना है।

अब समय केवल संवेदना, मुआवजे और औपचारिक बैठकों तक सीमित रहने का नहीं है। जरूरत ऐसी व्यवस्था की है, जिसमें जवाबदेही स्पष्ट हो और नियमों की अनदेखी पर प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। जहां भी असुरक्षित और खुला बोरवेल मिले, वहां जिम्मेदार व्यक्ति के विरुद्ध कानून के अनुसार कठोर कार्रवाई होनी चाहिए। यदि संबंधित अधिकारियों की लापरवाही सामने आती है तो उनके विरुद्ध भी विभागीय और कानूनी कार्रवाई होनी चाहिए। जवाबदेही तय किए बिना नियम केवल कागजों तक सीमित रहेंगे और हर नया हादसा हमारी प्रशासनिक विफलता का प्रमाण बनता रहेगा। अम्बाला के मासूम की मौत पूरे देश के लिए गंभीर चेतावनी है।

अटलांटिक के ठंडे पानी से मॉनसून में बदलाव

मुकुल व्यास

मॉनसून हमारी जीवन रेखा है। भारत और दक्षिण एशिया के दूसरे हिस्सों में 1 अरब से अधिक लोग खाद्य सुरक्षा और आर्थिक स्थिरता के लिए मॉनसून पर निर्भर हैं। हर साल हम एक अच्छे मॉनसून की प्रतीक्षा करते हैं। लेकिन वैज्ञानिकों ने पाया है कि पिछले कुछ वर्षों से भारतीय मॉनसून के पैटर्न में परिवर्तन हो रहा है। वैज्ञानिक इस बदलाव के कारणों को जानने की कोशिश कर रहे हैं। अब एक नई रिसर्च से पता चलता है कि उत्तरी अटलांटिक महासागर में पानी के एक ठंडे हिस्से ने जेट स्ट्रीम हवाओं के जरिए भारतीय गर्मियों के मॉनसून में बदलाव शुरू कर दिए हैं। इससे करोड़ों लोगों की रोजी-रोटी को खतरा पैदा हो गया है। वैज्ञानिकों का कहना है कि इन दोनों प्रणालियों के बीच का संबंध एक ऐसे पहले से अज्ञात संबंध को दिखाता है जो दक्षिण एशिया में मौसम के अनुमानों को जानकारी दे सकता है और दूसरी जगहों पर मौसम की घटनाओं पर रोशनी डाल सकता है।

ध्यान रहे कि जेट स्ट्रीम हवाएं पृथ्वी के वायुमंडल में 9 से 16 किलोमीटर की ऊंचाई पर बहने वाली तेज गति वाली, संकरी वायुधाराएं हैं। तापमान के अंतर और पृथ्वी के घूर्णन से संचालित ये हवाएं वायुमंडलीय सीमाओं के रूप में कार्य करती हैं जो वैश्विक मौसम के पैटर्न को आकार देती हैं और वाणिज्यिक विमानन मार्गों को प्रभावित करती हैं। भारतीय गर्मियों का मॉनसून वर्षा का एक पैटर्न है जो जून से सितंबर तक रहता है और यह गर्म उत्तरी हिंद महासागर और भूमध्य रेखा के नीचे ठंडे समुद्री पानी के बीच तापमान के अंतर से चलता है। शुरू में, मॉनसून ने भारत के पश्चिमी तट और उत्तरी भारत के एक बड़े इलाके (गंगा के मैदान) में भारी बारिश शुरू की थी। लेकिन 1999 से यह पैटर्न बहुत बदल गया है। शोधकर्ताओं ने एक नए अध्ययन में पाया कि उत्तर-पश्चिम भारत में अब मॉनसून सीजन में 1999 से पहले के मुकाबले लगभग 25 प्रतिशत ज्यादा बारिश होती है, जबकि गंगा के मैदानी इलाकों में लगभग 4 प्रतिशत कम बारिश होती है।

इस अध्ययन के पहले लेखक और भारतीय विज्ञान संस्थान के जलवायु वैज्ञानिक महेंद्र निम्माकांति ने कहा कि यह परिवर्तन किसानों के लिए खास तौर पर बहुत बुरा है, क्योंकि उनके खेतों की मिट्टी और फसलें बारिश के पुराने पैटर्न के हिसाब से ढल गई हैं। उन्होंने कहा कि भारत काफी हद तक खेती पर निर्भर है। उत्तर-पश्चिम भारत में सामान्य से अधिक बारिश होने पर अचानक बाढ़ आ जाती है और फसलों का नुकसान होता है, क्योंकि इस इलाके की खेती सूखे हालात के हिसाब से ढल गई है। इस बीच, गंगा के मैदानी इलाकों में सूखे के दौर भी आए हैं, जिससे फसलों में भी कमी आई है और किसानों की रोजी-रोटी पर असर पड़ा है। पिछले अध्ययनों ने भारतीय मॉनसून में परिवर्तन को अटलांटिक मेरिडियनल ओवरटर्निंग सर्कुलेशन (एएमओसी) में बदलाव से जोड़ा था। एएमओसी अटलांटिक में समुद्री धाराओं का एक बड़ा जाल है जो वैश्विक जलवायु को नियमित करता है और उत्तरी गोलार्द्ध में गर्मी पहुंचाता है। आंकड़े बताते है कि जलवायु परिवर्तन की वजह से एएमओसी धीमा हो रहा है और उत्तरी अटलांटिक महासागर में पहले के मुकाबले कम गर्मी छोड़ रहा है। निम्माकांति ने कहा कि इन अध्ययनों में यह नहीं बताया गया कि भारतीय मॉनसून कैसे बदल सकता है। इसके पीछे के तंत्र को भी विस्तार से नहीं समझाया गया। उन्होंने कहा, ये अध्ययन आम तौर पर यह समझाते हैं कि अगर एएमओसी कमजोर होता है, तो यह भारतीय मॉनसून को भी कमजोर करता है।

एक बड़ी समस्या यह है कि मौजूदा जलवायु मॉडल भारतीय मॉनसून में हुए बदलावों को नहीं दिखाते हैं, क्योंकि वे उत्तरी अटलांटिक महासागर की सतह के तापमान में बदलाव को भी पूरी तरह से ग्रहण नहीं करते हैं। इन मॉडलों ने ग्रीनलैंड के दक्षिण-पूर्व में एक अत्यंत ठंडे क्षेत्र पर गौर नहीं किया जिसे 'कोल्ड ब्लॉब' के नाम से जाना जाता है, जहां 1901 और 2021 के बीच पानी 1800 के दशक के आखिर की तुलना में ज्यादा ठंडा था। कोल्ड ब्लॉब बताता है कि एएमओसी कमजोर हो रहा है क्योंकि यह उत्तरी अटलांटिक तक पहुंचने वाली गर्मी की मात्रा में कमी की ओर इशारा करता है। यह पता लगाने के लिए कि भारतीय मानसून कैसे और क्यों बदला है, शोधकर्ताओं ने दर्जनों जलवायु मॉडलों में बारिश का डेटा, समुद्र की सतह के तापमान के रिकॉर्ड और असल जिंदगी के दूसरे अवलोकन डाले। इसने पिछले 27 सालों में देखे गए बदलावों को फिर से दिखाया। इन नतीजों से उत्तरी अटलांटिक में हुए बदलावों और मानसून में बदलावों के बीच संबंध का पता चला। यह जानने के लिए क्या उत्तरी अटलांटिक समुद्र की सतह के तापमान की वजह से भारतीय मानसून अजीब तरह से बर्ताव कर रहा है, टीम ने एक सिमुलेशन (कंप्यूटर पर परिस्थितियों की नक़ल) में कोल्ड ब्लॉब को जोड़ा और हटाया।

नतीजों से पता चला कि ठंडे ब्लॉब ने उतरी अटलांटिक पर एक मजबूत टेम्परेचर ग्रेडिएंट (तापमान में परिवर्तन की दर और दिशा का पैमाना) बनाकर भारतीय मानसून को शिफ्ट कर दिया है, जो बदले में यूरेशिया के ऊपर वायुमंडल में जेट स्ट्रीम हवाओं और प्रेशर सिस्टम पर असर डालता है। खासकर, उत्तरी अटलांटिक के ऊपर जेट स्ट्रीम तेज हो गई है, और पश्चिमी रूस में यूराल पहाड़ों के ऊपर एक 'ब्लॉकिंग' सिस्टम मजबूत हो गया है। इसके परिणामस्वरूप भारत में मौसम सिस्टम बदल गए हैं, जो नमी वाली हवा को देश के उत्तर-पश्चिम की ओर ले जा रहे हैं और उसे दूसरे इलाकों से दूर खींच रहे हैं।

शरीर को मजबूत बनायेगा ये होममेड प्रोटीन पाउडर

हेल्दी लाइफस्टाइल और फिटनेस के लिए प्रोटीन का सही मात्रा में सेवन बेहद जरूरी है। बाजार में मिलने वाले प्रोटीन पाउडर महंगे और कई बार तो ये केमिकल युक्त होते हैं, इसलिए घर पर बनाना एक बेहतर विकल्प है। होममेड प्रोटीन पाउडर न सिर्फ किफायती है, बल्कि इसमें मौजूद प्राकृतिक तत्व शरीर को ताकत और ऊर्जा देने में मदद करते हैं। इसमें कई पोषक तत्व शामिल होते हैं, जो मांसपेशियों को मजबूत बनाने, शरीर की कमजोरी दूर करने और वजन बढ़ाने में मदद करते हैं।

सामान

बादाम, ओट्स, सोयाबीन, मूंगफली, अलसी, कद्दू के बीज, खसखस और किशमिश।

पाचन सुधारता है

ओट्स और अलसी में फाइबर प्रचुर मात्रा में होता है। यह पेट को साफ रखने, कब्ज और गैस जैसी समस्याओं को कम करने में मदद करता है। पाचन तंत्र स्वस्थ होने पर शरीर की एनर्जी और हेल्थ बेहतर रहती है।

विधि

सभी सामग्री को अलग-अलग हल्की आंच पर सुनहरा और खुशबूदार होने तक भूनें। भूनने के बाद ठंडा होने दें। ठंडा होने पर मिक्सर में डालकर महीन पाउडर बना लें। एयरटाइट कंटेनर में स्टोर करें ताकि नमी न लगे। रोजाना 2-3 चम्मच पाउडर को दूध, शेक या स्मूदी में मिलाकर सेवन करें। स्वाद बढ़ाने के लिए आप शहद, केला या खजूर भी मिला सकते हैं।

हड्डियों को करे मजबूत

खसखस, कद्दू के बीज और बादाम कैल्शियम और मैग्नीशियम से भरपूर हैं। ये हड्डियों को मजबूत बनाने में मदद करते हैं, जो खासकर बच्चों, युवाओं और बुजुर्गों के लिए फायदेमंद है।

वजन बढ़ाने में मददगार

पतले शरीर वाले लोग अक्सर पर्याप्त कैलोरी और प्रोटीन नहीं ले पाते। इसमें मौजूद बादाम, किशमिश और मूंगफली कैलोरी और न्यूट्रिएंट्स से भरपूर हैं। ये मसल मास बढ़ाने और स्वस्थ तरीके से वजन बढ़ाने में मदद करते हैं।

मांसपेशियां करे मजबूत

होममेड प्रोटीन पाउडर प्राकृतिक पोषक तत्वों, आवश्यक अमीनो एसिड और मिनरल्स की आपूर्ति करके मांसपेशियों को मजबूत और विकसित बनाता है। इस पाउडर में बादाम, सोयाबीन और मूंगफली जैसे उच्च-प्रोटीन स्रोत शामिल हैं। बाजार में मिलने वाले सप्लीमेंट्स के विपरीत, यह पूरी तरह से शुद्ध, केमिकल और प्रिजर्वेटिव्स से मुक्त होता है, जो सेहत को नुकसान पहुंचाए बिना वजन और लीन मास बढ़ाने में मदद करता है। प्रोटीन मांसपेशियों के निर्माण और रिपेयर के लिए जरूरी है। रोजाना सेवन से मांसपेशियों की ताकत और स्टैमिना बढ़ती है।

इम्यूनिटी बढ़ाता है

सोयाबीन, बादाम और कद्दू के बीज में एंटीऑक्सीडेंट्स और जरूरी मिनरल्स होते हैं। ये शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता को मजबूत करते हैं, जिससे इंफेक्शन और वायरल बीमारियों से लड़ने में मदद मिलती है।

कमजोरी दूर भगाए

होममेड प्रोटीन पाउडर में मौजूद कार्बोहाइड्रेट्स और प्रोटीन शरीर को तुरंत ऊर्जा प्रदान करते हैं। थकान, कमजोरी और एनर्जी की कमी महसूस होने पर यह ड्रिंक शरीर को तुरंत ताकत देता है। इसलिए जिनको शरीर में कमजोरी होती है उनको इसका प्रयोग करना चाहिए।

हंसना मना है

पत्नी ने तुनककर पति से कहा-'जब अक्ल बंट रही थी, तो उस वक्त तुम कहां थे?' 'प्रिये, उसी वक्त तो हमारे-तुम्हारे फेरे हो रहे थे।' पति ने तपाक से जवाब दिया।

टेलीफोन ऑपरेटर से एक सज्जन ने दिल्ली का नंबर मिलाने का अनुरोध किया। ऑपरेटर ने सज्जन से कहा-'वहां बात करने का शुल्क 100 रुपये है।' उन सज्जन ने तुरंत स्पष्ट किया-'मुझे पत्नी से बात नहीं करनी है, सिर्फ सुननी है, क्योंकि मैं अपनी पत्नी को ट्रंक कॉल कर रहा हूं।'

'आपको समुद्र-यात्रा बहुत लाभ पहुंचाएगी' सिग्रता से प्रबन्ध कर लीजिए।' डॉक्टर ने मित्र से कहा। 'कोई लाभ नहीं डॉक्टर! मेरी पत्नी तैरना जानती है!'

एक बार भगवान ने एक आदमी से सवाल किया। तेरी ईच्छा क्या है। आदमी बोला- प्लीज मुझे मेरे कॉलेज के दिन वापस दे दो। भगवान हसने लगे और कहा - मन्नत मांगने को कहा था जन्नत नहीं!

बेटा- मुझे शादी नहीं करनी! मुझे सभी औरतों से डर लगता है! पिता- शादी कर ले बेटा! फिर एक ही औरत से डर लगेगा, बाकी सब अच्छी लगेंगी।

कहानी | अपनी शिक्षाओं की बोली ना लगने दें

एक नगर में रहने वाले एक पंडित जी की ख्याति दूर-दूर तक थी। पास ही के गांव में स्थित मंदिर के पुजारी का आकस्मिक निधन होने की वजह से उन्हें वहां का पुजारी नियुक्त किया गया था। एक बार वे अपने गंतव्य की ओर जाने के लिए बस में चढ़े, उन्होंने कंडक्टर को किराए के रुपये दिए और सीट पर जाकर बैठ गए। कंडक्टर ने जब किराया काटकर उन्हें रुपये वापस दिए तो पंडित जी ने पाया कि कंडक्टर ने दस रुपये ज्यादा दे दिए हैं। पंडित जी ने सोचा कि थोड़ी देर बाद कंडक्टर को रुपये वापस कर दूंगा। कुछ देर बाद मन में विचार आया कि बेवजह दस रुपये जैसी मामूली रकम को लेकर परेशान हो रहे है, आखिर ये बस कंपनी वाले भी तो लाखों कमाते हैं, बेहतर है इन रूपयों को भगवान की भेंट समझकर अपने पास ही रख लिया जाए। वह इनका सदुपयोग ही करेंगे। मन में चल रहे विचारों के बीच उनका गंतव्य स्थल आ गया। बस से उतरते ही उनके कदम अचानक ठिठके, उन्होंने जेब मे हाथ डाला और दस का नोट निकाल कर कंडक्टर को देते हुए कहा, भाई तुमने मुझे किराया काटने के बाद भी दस रुपये ज्यादा दे दिए थे। कंडक्टर मुस्कराते हुए बोला, क्या आप ही गांव के मंदिर के नए पुजारी है? पंडित जी के हामी भरने पर कंडक्टर बोला, मेरे मन में कई दिनों से आपके प्रवचन सुनने की इच्छा थी, आपको बस में देखा तो ख्याल आया कि चलो देखते है कि मैं अगर ज्यादा पैसे दूं तो आप क्या करते हो.. अब मुझे विश्वास हो गया कि आपके प्रवचन जैसा ही आपका आचरण है। जिससे सभी को सीख लेनी चाहिए। यह बोलते हुए कंडक्टर ने गाड़ी आगे बढ़ा दी। पंडितजी बस से उतरकर पसीना-पसीना थे। उन्होंने हाथ जोड़कर भगवान का आभार व्यक्त किया कि हे प्रभु! आपका लाख-लाख शुक्र है, जो आपने मुझे बचा लिया, मैने तो दस रुपये के लालच में आपकी शिक्षाओं की बोली लगा दी थी। पर आपने सही समय पर मुझे संभहलने का अवसर दे दिया। कभी कभी हम भी तुच्छ से प्रलोभन में, अपने जीवन भर की चरित्र पूंजी दांव पर लगा देते हैं।

7 अंतर खोजें

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष

कोर्ट-कचहरी में अनुकूलता रहेगी। पूजा-पाठ में मन लगेगा। व्यवसाय ठीक चलेगा। झंझटों में न पड़ें। उधार दिया धन मिलने से राहत हो सकती है। वाहन सावधानी से चलाएं।

वृषभ

चोट, चोरी व विवाद से हानि संभव है। जोखिम व जमानत के कार्य टालें। कुसंगति से हानि होगी। अपने काम से काम रखें। स्वास्थ्य के प्रति लापरवाही न करें।

मिथुन

राजकीय बाधा दूर होकर लाभ होगा। प्रेम-प्रसंग में अनुकूलता रहेगी। क्रोध पर नियंत्रण रखें। लाभ होगा। रुके हुए काम समय पर पूरे होने से आत्मविश्वास बढ़ेगा।

कर्क

भूमि व भवन संबंधी कार्य लाभ देंगे। रोजगार मिलेगा। शत्रु भय रहेगा। निवेश व नौकरी लाभ देंगे। व्यापार अच्छा चलेगा। कार्य के विस्तार की योजनाएं बनेंगी।

सिंह

रचनात्मक कार्य सफल रहेंगे। पार्टी व पिकनिक का आनंद मिलेगा। व्यवसाय ठीक चलेगा। विवाद न करें। सामाजिक एवं राजकीय ख्याति में अभिवृद्धि होगी।

कन्या

उत्तेजना पर नियंत्रण रखें। शत्रु सक्रिय रहेंगे। शोक समाचार मिल सकता है। थकान महसूस होगी। व्यावसायिक चिंता रहेगी। संतान के व्यवहार से कष्ट होगा।

तुला

रोमांस में समय बीतेगा। मेहनत का फल मिलेगा। कार्यसिद्धि से प्रसन्नता रहेगी। व्यवसाय ठीक चलेगा। प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। परिवार में प्रसन्नता का वातावरण रहेगा।

वृश्चिक

अतिथियों का आवागमन रहेगा। उत्साहवर्धक सूचना मिलेगी। नई योजनाओं की शुरुआत होगी। स्वाभिमान बना रहेगा। भूमि व संपत्ति संबंधी कार्य होंगे।

धनु

बेरोजगारी दूर होगी। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। भेंट व उपहार की प्राप्ति होगी। जोखिम न लें। क्रोध एवं उत्तेजना पर संयम रखें। सत्कार्य में रुचि बढ़ेगी।

मकर

कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। व्ययवृद्धि होगी। तनाव रहेगा। अपरिचितों पर विश्वास न करें। प्रयास में आलस्य व विलंब नहीं करना चाहिए। विरोधी परास्त होंगे।

कुम्भ

दिन प्रेमभरा गुजरेगा। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। रुका हुआ धन मिलेगा। प्रसन्नता रहेगी। जल्दबाजी न करें। प्रियजनों से पूरी मदद मिलेगी। धन प्राप्ति के योग हैं।

मीन

नई योजना बनेगी। कार्यप्रणाली में सुधार होगा। मान-सम्मान मिलेगा। व्यवसाय ठीक चलेगा। स्वास्थ्य के प्रति सावधानी रखें। कार्यक्षमता एवं कार्यकुशलता बढ़ेगी।

बॉलीवुड | मन की बात

रवि मोहन ने तोड़ा एक्टिंग ना करने का प्रण

तमिल एक्टर रवि मोहन बीते कुछ दिनों से अपने निजी जीवन को लेकर चर्चाओं में हैं। दरअसल उनका और उनकी पत्नी का तलाक का मामला कोर्ट में चल रहा है। इस बीच कुछ दिनों पहले उन्होंने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस कर कहा था कि जब तक उनका तलाक फाइनल नहीं होता, तब तक वह फिल्मों में ना तो काम करेंगे और न ही उनकी कोई फिल्म थिएटर में रिलीज होगी। लेकिन अब हाल ही में उन्होंने इस प्रण को तोड़ कर एक बड़ा ऐलान किया है। अब हाल ही में एक अवॉर्ड इवेंट के दौरान एक्टर रवि ने साफ कर दिया कि अब वह सिनेमा से दूरी नहीं बनाना चाहते। उन्होंने अपने फैंस और फिल्म इंडस्ट्री के लोगों का शुक्रिया भी अदा किया, जिन्होंने उन्हें अपना फैसला बदलने के लिए प्रेरित किया। रवि ने कहा कि उन्हें एहसास हुआ कि उनके सिनेमा छोड़ने के ऐलान से उनके चाहने वालों को काफी दुख पहुंचा था। उन्होंने कहा, 'मैं इस साल 46 साल का हो रहा हूं। मेरी जिंदगी का आधा हिस्सा सिनेमा में ही बीता है। यह अफसोस की बात है कि मेरी एक छोटी सी गलती से आप सभी को इतना दुख हुआ। मेरे लिए पर्सनल लाइफ और प्रोफेशनल लाइफ दोनों 50-50 हैं, लेकिन उस समय पर्सनल लाइफ की भावनाएं थोड़ी ज्यादा हावी हो गई थीं।' उन्होंने कहा, 'मैं थोड़ा इमोशनल हो गया था, लेकिन इंडस्ट्री के हर व्यक्ति ने मुझसे कहा कि 'आप जो भी कहें, हमें मंजूर है, लेकिन आप यह कभी मत कहिए कि आप सिनेमा का हिस्सा नहीं हैं।' मैं उन सभी से माफी मांगता हूं।' फैंस को भरोसा दिलाते हुए रवि ने कहा कि वह नई एनर्जी के साथ वापसी करेंगे। उन्होंने कहा, 'मैं अब अपने फैंस को कभी निराश नहीं करूंगा। मैं जरूर वापसी करूंगा। आपकी खुशी, आपका प्यार और आपका समर्थनज मैं फिर से आपके 'पोन्नियिन सेलवन' या 'कराटे बाबू' बनकर लौटना चाहता हूं। जिन्होंने मुझे यह हिम्मत दी, मैं उन्हें दिल से धन्यवाद करता हूं।' रवि मोहन के पास कई बड़ी फिल्में हैं।

जरीन खान ने किया डॉली जावेद का समर्थन

अलायंस के हालिया एपिसोड में कंटेस्टेंट कुशल टंडन के बर्ताव को लेकर सोशल मीडिया पर बहस छिड़ी है। इस बीच एक्ट्रेस जरीन खान कंटेंट क्रिएटर डॉली जावेद के सपोर्ट में सामने आई हैं। जरीन खान ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरीज पर एक मैसेज शेयर किया, जिसमें उन्होंने डॉली की तारीफ की कि वह अपने हक के लिए खड़ी हुईं। टंडन का नाम लिए बिना, जरीन ने अपनी पोस्ट में लिखा साथी मेल कंटेस्टेंट के बुरे रवैये और पुरुष-प्रधान सोच वाले बर्ताव को बर्दाश्त न करने के लिए डॉली जावेद की तारीफ करती हूं। हैरानी होती है कि बाकी लोग चुपचाप यह सब कैसे सह रहे हैं। तुम और मजबूत बनो, लड़की। मैं तो तुम्हारी फैन हो गई हूं। यह विवाद अलायंस के हालिया एपिसोड में तब शुरू हुआ, जब कुशल टंडन ने साथी कंटेस्टेंट वृद्धि पटवा से बात करते हुए डॉली की गैर-मौजूदगी में उनके बारे में टिप्पणी की। जब बाद में डॉली ने इस टिप्पणी को लेकर उनसे सवाल किया, तो कुशल बातचीत छोड़कर चले गए। इस घटना पर सोशल मीडिया पर कई लोगों ने प्रतिक्रिया दी है। कुशल को ऑनलाइन आलोचना का भी सामना करना पड़ रहा है। कई दर्शकों का आरोप है कि शो में उनका व्यवहार डॉली, वंशज और पायल गेमिंग जैसे युवा कंटेस्टेंट्स के प्रति अपमानजनक रहा है। शो के कई फैंस का दावा है कि वह उन प्रतिभागियों को निशाना बना रहे हैं जो अभी अपनी पहचान बनाने की कोशिश कर रहे हैं। कुशल टंडन या उनकी टीम ने अब तक इन आरोपों पर कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है। अलायंस एक रियलिटी सीरीज है, जो स्ट्रैटेजी, बदलते अलायंस और अप्रत्याशित ट्विस्ट पर आधारित है। यह सीरीज 26 जून, 2026 को शुरू हुई और इसके नए एपिसोड रोजाना प्राइम वीडियो पर स्ट्रीम होते हैं।

कहा- तुम और मजबूत बनो, लड़की। मैं तो तुम्हारी फैन हो गई हूं

अनुपम खेर ने किए रामलला के दर्शन

अनुपम खेर ने आज से अपनी आगामी फिल्म श्री रामभूमि की अयोध्या में शूटिंग शुरू कर दी है। लेकिन फिल्म की शूटिंग शुरू करने से पहले अनुपम ने रामलला का आशीर्वाद लिया और साथ ही कुछ खास तस्वीरें भी साझा की हैं। अनुपम खेर ने इंस्टाग्राम पर एक नई पोस्ट साझा की है। इस पोस्ट में अनुपम ने अयोध्या के प्रसिद्ध राम मंदिर से अपनी कई तस्वीरें और वीडियो साझा किए हैं। इन तस्वीरों में अनुपम बेहद खुश नजर आ रहे हैं। इस

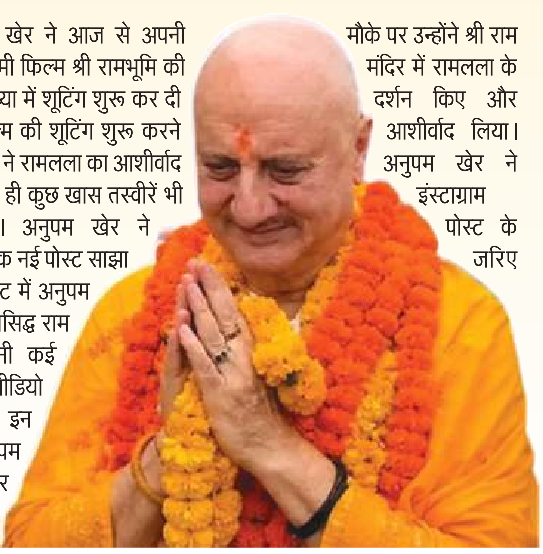

मौके पर उन्होंने श्री राम मंदिर में रामलला के दर्शन किए और आशीर्वाद लिया। अनुपम खेर ने इंस्टाग्राम पोस्ट के जरिए बताया कि उनकी नई फिल्म श्री रामभूमि की शूटिंग आज से अयोध्या में शुरू हो गई है। आज शूटिंग का इसका पहला दिन है। इस पोस्ट के साथ अनुपम ने बताया कि उन्होंने यह आशीर्वाद अपने लिए, अपने परिवार और दोस्तों के लिए, अपनी फिल्म के लिए और अपने सभी चाहने वालों के लिए मांगा। अनुपम ने यह भी लिखा कि वहां जाकर उन्हें बहुत अच्छा लगा और बहुत सुखद अनुभव हुआ। उन्होंने देश-विदेश से आए हजारों राम भक्तों के साथ मिलकर जय श्री राम के नारे भी लगाए। फिल्म श्री रामभूमि को जी स्टूडियोज, डांसिंग शिवा फिल्म्स और सिनेकॉर्न एंटरटेनमेंट मिलकर बना रहे हैं। इस फिल्म में अनपम खेर मुख्य भूमिका में नजर आएंगे। अनुपम के अलावा इस फिल्म में ऋत्विक भौमिक और अमृता खानविलकर भी अहम भूमिका में नजर आएंगे। इस फिल्म का निर्देशन कामाख्या नारायण सिंह कर रहे हैं।

श्रीराम का आशीर्वाद लेकर शुरू की नई फिल्म श्री रामभूमि की शूटिंग

ये दुनिया का सबसे पतला होटल, जिसके गजब के इंटीरियर के दीवाने हैं लोग

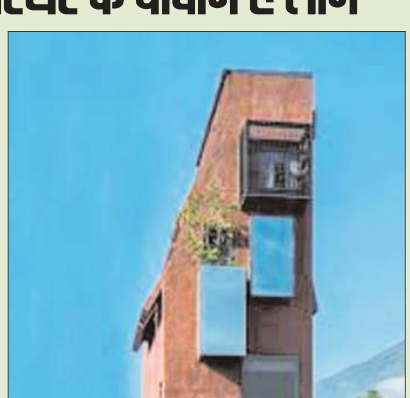

सोशल मीडिया पर अक्सर अजीबो-गरीब इमारत के वीडियो और फोटो खूब सुर्खियां बटोरते हैं। हाल ही में इंडोनेशिया का एक होटल चर्चा में है। दरअसल, सेंट्रल जावा में सलाटिगा शहर में स्थित पिटुरूम्स होटल दुनिया का सबसे पतला होटल माना जा रहा है। महज 9 फीट चौड़ी जगह में बना ये होटल लग्जरी सुविधाओं से लैस है। पांच मंजिला इस होटल के डिजाइन और उसके हर कमरे का इंटीरियर देखकर लोग तारीफ करते नहीं थक रहे हैं।

यह होटल यहां ठहरने वाले गेस्ट्स को एक अलग ही अनुभव करवाता है। द सन की रिपोर्ट के अनुसार, इस गजब के होटल का निर्माण बेकार पड़ी हुई जमीन के टुकड़े पर किया गया है। देखा जा सकता है कि, यह जमीन गली और घरों के बीच में है, जिसका इस्तेमाल स्थानीय लोग डंपिंग ग्राउंड के रूप में कर रहे थे। बताया जा रहा है कि, इस इमारत को पिटुरूम्स प्रोजेक्ट के हिस्से के रूप में वास्तुकार ऐरी इंद्रा द्वारा डिजाइन किया गया है, जिन्होंने सिंगापुर और जकार्ता में एक आर्किटेक्ट के रूप में ट्रेनिंग ली है। बताया जा रहा है कि, ऐरी इंद्रा ने यह होटल दिसंबर 2022 में खोला था। कहा जा रहा है कि, खुलने के बाद से अब तक यहां 95 फीसदी इंडोनेशियाई गेस्ट्स रहे हैं। सात कमरों वाले इस होटल का नाम पिटुरूम्स इसलिए रखा गया है, क्योंकि जावानीस भाषा में पिटु का अर्थ- सात होता है। खास बात यह है कि, इस होटल की टॉप मंजिल पर एक बार और रेस्टोरेंट भी है, जो यहां आने वाले मेहमानों को बेहद खास और अलग अनुभव करवाता है।

अजब-गजब

इस छुटकू से बैग की कीमत सुन उड़ जाएंगे होश

खरीदने के लिए घर बेचने की आ जाएगी नौबत

हर्मीज कंपनी का कैली बैग अपने फंडली डिजाइन और लग्जरी के लिए दुनियाभर में मशहूर है। मशहूर होने के साथ-साथ ये सबसे आइकॉनिक बैग भी माना जाता है। आपको बता दें कि ये बैग एक्टर और Monegasque प्रिंसेस ग्रेस कैली के नाम पर तैयार किया गया है। साल 2021 में हर्मीज ज्वेलरी के क्रिएटिव डायरेक्टर Pierre Hardy ने कैली बैग को एक नया रूप दिया और उसे नाम दिया Kelly Morphose बैग। अब यही बैग सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। इस बैग की कीमत और साइज की वजह से ये बैग आकर्षण का केंद्र बना हुआ है, जिसे कई यूजर्स वेस्ट ऑफ मनी तक कह रहे हैं।

हर्मीज के इस छुटकू पर्स की कीमत 52 लाख रुपये तक बताई जा रही है। ये पर्स खासतौर से लोगों की निगाह में तब आया जब अंबानी परिवार की बहू राधिका मर्चेंट इसे फ्लॉन्ट करती नजर आईं। व्हाइट गोल्ड और हीरों से जड़े इस पर्स की कीमत तो लाखों में है, लेकिन इसका साइज बहुत छोटा है, जिसमें बमुश्किल एक लिपस्टिक या कोई अन्य मेकअप का सामान ही आ सकता है, जो लोग इस पर्स को अफोर्ड कर सकते हैं वो इसे ब्रेसलेट, नेकलेस या रिंग की तरह यूज करते हैं। वॉग से बात करते हुए इस बैग के डिजाइनर ने इसके इस्तेमाल के अलग-अलग तरीके बताए थे। उन्होंने कहा था कि आप इसे कीरिंग की तरह कैरी करें या चेन में डालकर लॉकेट की तरह पहन सकते हैं। हाल ही में एक इंस्टाग्राम हैंडल प्रेस्टीज पैलेस ने इस पर्स का एक वीडियो शेयर किया, जिसके बाद से फिर ये पर्स सुर्खियों में आ गया, लेकिन आम यूजर्स इस छुटकू से पर्स को पैसों की बर्बादी बता रहे हैं। एक यूजर ने लिखा कि इतनी कीमत में मैं एक घर खरीद सकता हूं। एक यूजर ने लिखा कि, मुझे हर्मीज पसंद है लेकिन ये तो बहुत ज्यादा हो गया। एक यूजर ने लिखा कि, ये बच्चों का खिलौना नजर आ रहा है।

इथेनॉल पर बार-बार उठ रहे सवाल

ई20 फ्यूल पर पूछे सवालों का निस्तारण किया जाए: केजरीवाल

» आप संयोजक ने सरकार को घेरा

» मारुति-टोयोटा-हीरो समेत 29 ऑटो कंपनियों को लिखा पत्र

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। इथेनॉल को लेकर सड़क परिवहन मंत्रालय पर हमले अब भी जारी है। आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने बुधवार को 29 ऑटोमोबाइल कंपनियों को पत्र लिखा। यह पत्र ई20 ईंधन के पुराने वाहनों में उपयोग को लेकर कंपनियों के विरोधाभासी बयानों पर केंद्रित है। उधर इन सब आरोपों पर नीतिन गडकरी ने कहा उन्हें फंसाने के लिए झूठी बातें फैलाईं जा रहीं हैं। गडकरी ने उन आरोपों को खारिज कर दिया कि इथेनॉल प्रोग्राम में उनका कोई निजी हित है। उन्होंने कहा कि उनके परिवार का चीनी का कारोबार सरकार की इथेनॉल पॉलिसी से पहले से चल रहा है और इथेनॉल प्रोडक्शन में उनकी हिस्सेदारी न के बराबर है।

केजरीवाल ने बताया कि तीन प्रमुख कंपनियों मारुति, टोयोटा किर्लोस्कर और हीरो को अलग से पत्र भेजा गया है। शेष 26 कंपनियों को एक अलग पत्र भेजा गया है। उन्होंने कंपनियों से सार्वजनिक तौर पर अपनी वास्तविक स्थिति स्पष्ट करने को कहा है। यह कदम वाहन मालिकों की सुरक्षा और जानकारी सुनिश्चित करने के लिए उठाया गया है। केजरीवाल ने मारुति, टोयोटा किर्लोस्कर और हीरो को लिखे पत्र में इस विरोधाभास को उजागर किया है। उन्होंने बताया कि इन कंपनियों की ओनर्स मैनुअल में स्पष्ट रूप से लिखा है। मैनुअल के अनुसार, 23 से पहले निर्मित वाहनों में 10 फीसदी से अधिक इथेनॉल मिश्रित पेट्रोल का उपयोग किसी भी स्थिति में नहीं किया जाना चाहिए। यह कंपनी के आधिकारिक दस्तावेज और उनके प्रतिनिधियों के सार्वजनिक बयान के बीच एक बड़ा अंतर दर्शाता है।

गंभीर मुद्दा हैं हल्के में न लें, रखी स्पष्टीकरण की मांग

केजरीवाल ने इस विरोधाभास को छोटी गलती या मामूली विरोधाभास मानने से इनकार किया है। उन्होंने इसे एक गंभीर मुद्दा बताया है, जो लाखों वाहन मालिकों को प्रभावित कर सकता है। उन्होंने कंपनियों से लिखित रूप में सार्वजनिक तौर पर अपनी वास्तविक स्थिति स्पष्ट करने की मांग की है। इस स्पष्टीकरण से उपभोक्ताओं को ई20 ईंधन के उपयोग के संबंध में सही जानकारी मिल सकेगी। यह कदम वाहन सुरक्षा और उपभोक्ता अधिकारों के प्रति उनकी चिंता को दर्शाता है।

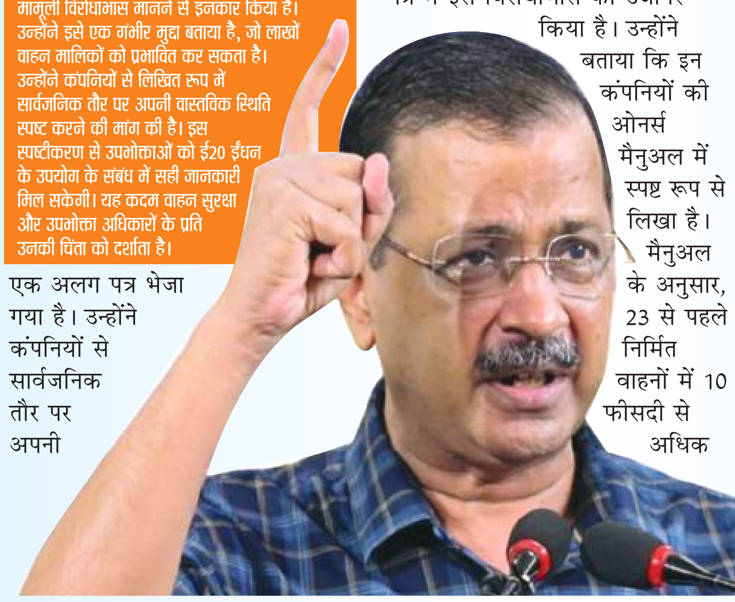

7 फीसदी हिस्सेदारी की बातें मुझे फंसाने की साजिश है : नितिन गडकरी

केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने केंद्र के इथेनॉल-ब्लेंडिंग प्रोग्राम का ज़ोरदार बचाव किया। उन्होंने हितों के टकराव के आरोपों को खारिज करते हुए कहा कि इस पॉलिसी से गाड़ियों को कोई नुकसान नहीं हुआ है। उन्होंने आलोचकों को चुनौती दी कि वे ई20 फ्यूल से किसी पेट्रोल गाड़ी को नुकसान पहुंचने का सबूत पेश करें। साथ ही, उन्होंने ज़ोर देकर कहा कि इस पहल का मकसद फ्यूल का आयात कम करना, साफ़-सुथरे फ्यूल को बढ़ावा देना और किसानों की आय बढ़ाना है। गडकरी ने उन आरोपों को खारिज कर दिया कि इथेनॉल प्रोग्राम में उनका कोई निजी हित है। उन्होंने कहा कि उनके परिवार का चीनी का कारोबार सरकार की इथेनॉल पॉलिसी से पहले से चल रहा है और इथेनॉल प्रोडक्शन में उनकी हिस्सेदारी न के बराबर है। उन्होंने कहा कि मुझे इथेनॉल पॉलिसी से कोई फायदा नहीं होता। इथेनॉल प्रोडक्शन में मेरी हिस्सेदारी सिर्फ़ 0.7 प्रतिशत है। इतनी कम हिस्सेदारी के साथ, किसी बड़े आर्थिक फायदे का सवाल ही नहीं उठता। उन्होंने उन दावों को खारिज कर दिया कि उन्हें इथेनॉल प्रोग्राम से कोई फायदा होने वाला था। हितों के टकराव (कॉन्फ्लिक्ट ऑफ़ इंटरेस्ट) के आरोपों को खारिज करते हुए गडकरी ने कहा, यह आरोप पूरी तरह बेबुनियाद है कि मैंने अपने फायदे के लिए इथेनॉल पॉलिसी बनाई। 0.7 प्रतिशत हिस्सेदारी वाला व्यक्ति निजी फायदे के लिए देश की इथेनॉल पॉलिसी को प्रभावित नहीं कर सकता। मंत्री ने कहा कि भारत अभी लगभग 550 इथेनॉल बनाने वाली यूनिट्स के ज़रिए हर साल करीब 1,500 करोड़ लीटर इथेनॉल का उत्पादन करता है, जिसमें उनका हिस्सा सिर्फ़ 0.7 प्रतिशत है।

भारत और इंग्लैंड के बीच चौथा टी20 मैच आज

» शर्मनाक हार के बाद वैभव की जगह सैमसन की हो सकती है वापसी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। आईपीएल 2026 में धमाल मचाने वाले भारतीय बल्लेबाज ब्रिटेन दौरे पर फुस्स साबित हुए हैं। आयरलैंड के खिलाफ पहले सीरीज में हार मिली और अब इंग्लैंड के खिलाफ भी टीम इंडिया लगातार दो मैच हार गई है। ऐसे में भारत के पास सीरीज बचाना सबसे बेहतर रास्ता है। हालांकि, इसके लिए उन्हें अगले दो मैचों में जीत हासिल करनी होगी। नॉटिंघम में खेले गए तीसरे मुकाबले में भारत की बल्लेबाजी बुरी तरह से फ्लॉप रही और टीम इंडिया मात्र 76 रनों पर सिमट गई। उन्हें मैच में 125 रनों की करारी हार झेलनी पड़ी। ऐसे में कप्तान श्रेयस अय्यर और हेड कोच गौतम गंभीर चौथे टी20 मैच में कुछ बदलाव कर सकते हैं।

भारत की प्लेइंग-11 में टॉप-3 में सभी बाएं हाथ के बल्लेबाज हैं। इसमें अभिषेक शर्मा, वैभव सूर्यवंशी और ईशान किशन शामिल हैं। ऐसे में विपक्षी टीम को एक तरह की रणनीति बनाने का मौका मिलता है। गेंदबाजों को भी फील्डिंग में अधिक बदलाव नहीं करने पड़ते हैं। दूसरी तरफ अगर दाएं और बाएं हाथ की जोड़ी होती है, तो बॉलर्स को भी दिक्कत होती है और उन्हें लाइन-लेंथ में बदलाव करना पड़ता है। इस समस्या को दूर करने के लिए संजू सैमसन एक अच्छे विकल्प हो सकते हैं। लगातार दो मैचों में हार के बाद और ईशान किशन-वैभव सूर्यवंशी के फेल होने की वजह से दोनों में से किसी एक को बाहर किया जा सकता है। संजू ने ओपनिंग में टीम इंडिया के लिए अच्छा किया है और ऐसे में वैभव पर गाज गिर सकती है। उनकी जगह संजू को टीम में शामिल किया जा सकता है। इंग्लैंड में परिस्थितियां तेज गेंदबाजों को मदद करती हैं। टीम में अक्षर पटेल के रूप में पहले से ही एक स्पिनर मौजूद हैं। ऐसे में कप्तान अय्यर और कोच गंभीर एक स्पिनर के साथ जा सकते हैं। टीम में प्रसिद्ध कृष्णा की वापसी हो सकती है।

इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट से पहले भारत को झटका, प्रतिका बाहर

लंदन। इंग्लैंड के खिलाफ लॉर्ड्स के ऐतिहासिक मैदान पर होने वाले एकमात्र महिला टेस्ट मैच से पहले भारतीय टीम को एक बड़ा झटका लगा है। टीम की स्टार सलामी बल्लेबाज प्रतिका रावल चोट के कारण इस मुकाबले से बाहर हो गई हैं। 25 वर्षीय दाएं हाथ की बल्लेबाज प्रतिका रावल को पिछले हफ्ते टांटन में इंग्लैंड ए के खिलाफ इंडिया ए का प्रतिनिधित्व करने के दौरान घुटने में गंभीर रूप से चोट लग गई थी। इस चोट के कारण उन्हें टेस्ट मैच के लिए अनुपलब्ध घोषित कर दिया गया है। टीम के मुख्य कोच अमोल मजूमदार ने बुधवार को मैच से पहले इस बात की जानकारी दी है कि प्रतिका इस मैच का हिस्सा नहीं होंगी। प्रतिका रावल के बाहर होने के बाद चयनकर्ताओं ने प्रिया पूनिया को रिप्लेसमेंट के तौर पर टीम में शामिल किया है। बाएं हाथ की बल्लेबाज प्रिया पूनिया ने इंडिया ए के इंग्लैंड दौरे पर बेहतरीन प्रदर्शन किया है। वह वनडे सीरीज में भारत ए के लिए सबसे ज्यादा रन बनाने वाली बल्लेबाज थीं, जहां उन्होंने 57 की औसत से 171 रन बनाए, जिसमें 87 रन उनका सर्वोच्च स्कोर रहा।

फिल्म सतलुज को ओटीटी से हटाने में भाजपा या केंद्र की कोई भूमिका नहीं: रवनीत बिट्टू

» मंत्री बोले - फिल्म में कांग्रेस सरकार के दौर की घटनाओं का जिक्र

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

जालंधर। केंद्रीय मंत्री रवनीत सिंह बिट्टू ने विपक्षी दलों के कुछ नेताओं द्वारा लगाए गए उन आरोपों को खारिज कर दिया, जिनमें कहा गया था कि फिल्म सतलुज को ओटीटी मंच जी5 से हटाने के पीछे भाजपा या केंद्र सरकार का हाथ है। बिट्टू ने कहा कि इस पूरे मामले को सही संदर्भ में समझना आवश्यक है। उन्होंने कहा, फिल्म में जिन घटनाओं को दिखाया गया है, वे उस दौर की हैं जब पंजाब और केंद्र, दोनों जगह कांग्रेस की सरकार थी। ऐसे में फिल्म से जुड़े घटनाक्रम या उसके प्रस्तुतीकरण के लिए भाजपा को जिम्मेदार ठहराने का प्रयास राजनीतिक रूप से प्रेरित और तथ्यहीन है।

बिट्टू पंजाब के पूर्व मुख्यमंत्री बेअंत सिंह के पोते हैं, जिनकी 1995 में हत्या कर दी गई थी। बिट्टू ने कहा कि पंजाब के इतिहास को केवल एकतरफा नजरिए से नहीं, बल्कि उसके सभी पहलुओं के साथ प्रस्तुत किया जाना चाहिए। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि ओटीटी प्लेटफॉर्म पर प्रसारित होने वाली सामग्री थिएटर में रिलीज होने वाली फिल्मों की तरह सरकारी पूर्व-सेंसरशिप के दायरे में नहीं आती।

ऊपर वाले की बनाई चीज कितने दिन रहना है न मैं तय कर सकता हूं, न आप

» बाबा बर्फानी के पिघलने पर बोले जम्मू-कश्मीर के सीएम

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

श्रीनगर। अमरनाथ गुफा में बाबा बर्फानी के प्राकृतिक रूप से पिघलने को लेकर उठ रहे सवालों के बीच जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने कहा कि पवित्र हिमलिंग कितने दिन तक रहेगा, यह इंसान तय नहीं कर सकता, क्योंकि यह प्रकृति और ऊपर वाले की देन है।

अमरनाथ यात्रा में श्रद्धालुओं की संख्या को लेकर पहले से ही सुप्रीम कोर्ट की ओर से सीमा निर्धारित की गई है। उन्होंने कहा कि इसका पालन सुनिश्चित करना श्री अमरनाथजी श्राइन बोर्ड की जिम्मेदारी है। कई बार श्रद्धालु बिना पंजीकरण के भी दर्शन के लिए पहुंच जाते हैं, ऐसे मामलों को नियंत्रित करने की जिम्मेदारी भी बोर्ड को देखनी होगी।

बंगाल में जंगल राज की हुई स्थापना: मोइत्रा

» प्रभास मंडल एनकाउंटर पर टीएमसी ने भाजपा पर किया प्रहार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

कोलकाता। बंगाल में प्रभास मंडल एनकाउंटर राज्य में सियासी बवाल मच गया है। तृणमूल कांग्रेस ने इस मामले में भाजपा सरकार को घेरा है। सांसद महुआ मोइत्रा ने प्रभास मंडल एनकाउंटर की कड़ी निंदा करते हुए इसे पश्चिम बंगाल में जंगल राज की स्थापना और कानून के शासन का ह्रास बताया। उन्होंने आरोप लगाया कि पुलिस ने बीजेपी के राजनीतिक संरक्षण में इस हत्या को अंजाम दिया ताकि मामले से जुड़े उच्च-स्तरीय व्यक्तियों, विशेषकर राजा नामक एक आरोपी, का पर्दाफाश न हो सके और न्यायपालिका को दरकिनार किया जा सके। उन्होंने इसे बिल्कुल अस्वीकार्य और राज्य में बिगड़ती कानून-व्यवस्था का संकेत बताया है।

उन्होंने बंगाल की मौजूदा स्थिति की तुलना उत्तर प्रदेश से की और इसे यूपी-2.0 कहा, जहां कानून का शासन कमजोर पड़ता दिखता है। मोइत्रा ने 12 साल की बच्ची के कथित रेप और मर्डर केस के मुख्य आरोपी प्रभास मंडल के एनकाउंटर पर चिंता जताई। उन्होंने कहा कि ऐसी कार्रवाई से कानूनी प्रक्रियाओं में नागरिक समाज का भरोसा कम होता है और न्याय के प्रति राज्य की प्रतिबद्धता पर सवाल उठते हैं। मोइत्रा के अनुसार, मंडल की मौत से जांच के लिए ज़रूरी गवाहियां नहीं मिल पाएंगी।

भाजपा की ओर से काम कर रही है बंगाल पुलिस

तृणमूल कांग्रेस की नेता ने कहा कि मुठभेड़ के दौरान पुलिस द्वारा गोली चलाने के संबंध में सख्त नियम हैं और पुलिसकर्मियों से अपेक्षा की जाती है कि वे घुटने के नीचे निशाना लगाएं। उन्होंने आरोप लगाया कि पश्चिम बंगाल पुलिस ने इस व्यक्ति को इस तरह से गोली क्यों मारी कि उसकी मौत हो गई? क्योंकि वह भारतीय जनता पार्टी की ओर से काम कर रही है और प्रभास मंडल का मुंह बंद करना चाहती है। मोइत्रा ने दावा किया कि मामले के तीन आरोपियों को शुरुआत में भारतीय जनता पार्टी के नेता शांतनु मंडल ने छुड़वा दिया था, जबकि जनाक्रोश के बाद आरोपी आनंद सरकार को दोबारा गिरफ्तार किया गया। उन्होंने दावा किया कि पुलिस हिरासत में प्रभास मंडल के कथित बयान में 'राजा' नाम के एक अन्य आरोपी का भी उल्लेख किया गया था।

अब यूजीसी-नेट पेपर लीक को लेकर बवाल

- नेता प्रतिपक्ष ने उठाया एनटीए पर सवाल
- शिक्षा घोटालों को अनदेखा कर रहे पीएम : राहुल गांधी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। प्रतियोगी परीक्षाओं में लीक पर भाजपा सरकार लगाम नहीं लगा पा रही है। नीट, सीयूईटी, सीबीएसई व कई राज्य सरकारों की परीक्षा में लापरवाही की खबरें थमी भी नहीं थी कि अब यूजीसी-नेट के एक पेपर में लीक की खबर से एनटीए एकबार फिर सवालों में घिर गया है।

कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने यूजीसी-नेट सोशियोलॉजी पेपर लीक होने का गंभीर आरोप लगाया है, दावा किया कि परीक्षा से पहले 2.25 लाख में 90 सवालों वाली एक पीडीएफ बेची गई थी। उन्होंने मोदी सरकार पर नीट यूजीसी जैसे शिक्षा घोटालों को अनदेखा करने और एनटीए की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाए हैं। कांग्रेस नेता ने आगे लिखा कि परीक्षाओं बार-बार हुए घोटालों के बावजूद मोदी सरकार आँखें मूंदे हुए है और चैन की नींद सो रही है, क्योंकि लाखों छात्रों की सालों की कड़ी मेहनत—दिन-रात एक करके की गई पढ़ाई—उनके लिए कोई मायने नहीं रखती। राहुल गांधी ने दैनिक भास्कर की उस रिपोर्ट का हवाला दिया जिसमें आरोप लगाया गया था कि 30 जून की परीक्षा से पहले ही यूजीसी-नेट का प्रश्नपत्र लीक हो गया था। रिपोर्ट के अनुसार, रोहतक में दो छात्र नेताओं ने एक वीडियो जारी किया जिसमें कथित समाजशास्त्र प्रश्नपत्र की सामग्री स्क्रीन पर दिखाई गई थी। उन्होंने दावा किया कि उम्मीदवारों को प्रश्नों के दो सेट पढ़ाए गए थे, और 10 प्रश्नों के उन सेटों में से एक सेट परीक्षा के प्रश्नों से मेल खाता है। यूजीसी नेट परीक्षा आयोजित करने वाली राष्ट्रीय परीक्षण एजेंसी (एनटीए) की प्रतिक्रिया का इंतजार है।

सोशियोलॉजी पेपर में शामिल हुए कई उम्मीदवारों ने परीक्षा के पेपर में व्याकरण और स्पेलिंग की गलतियों की शिकायत की । लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने यूजीसी-नेट परीक्षा का पेपर लीक होने की आशंका जताई है। कांग्रेस सांसद का यह आरोप तब आया है, जब यूनिवर्सिटी ग्रांट्स कमीशन नेशनल एलिजिबिलिटी टेस्ट (यूजीसी-नेट) के सोशियोलॉजी पेपर में शामिल हुए कई उम्मीदवारों ने परीक्षा के पेपर में व्याकरण और स्पेलिंग की गलतियों की शिकायत की थी। पेपर लीक के कारण देशभर में हुए विरोध-प्रदर्शनों के बाद गांधी ने एक्स पर यह पोस्ट किया है। इन प्रदर्शनों में छात्रों, विपक्ष और छात्र संगठनों ने सख्त कार्रवाई और शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफ़े की मांग की है।

17 को देहरादून में छात्रों की गूंज में शामिल होंगे रायबरेली सांसद

कांग्रेस सांसद और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी, देशव्यापी छात्रों की गूंज अभियान के तहत शहर के युवाओं से बातचीत करने के लिए 17 जुलाई को देहरादून का दौरा करेंगे। यह दौरा राजस्थान के कोटा में पहले हुए 'छात्रों की गूंज' प्रोग्राम के मॉडल पर आधारित होगा। ऑल इंडिया कांग्रेस कमेटी के एक पदाधिकारी के अनुसार, गांधी देहरादून के परेड ग्राउंड में युवाओं से मिलेंगे उन्होंने इस कार्यक्रम की तैयारियों के चल रहे होने की पुष्टि की है। राहुल गांधी ने पिछली बार 4 जून को उत्तराखंड का दौरा किया था, लेकिन खराब मौसम की वजह से अल्मोड़ा में उनकी जनसभा और पौड़ी गढ़वाल में पूर्व सैनिकों के साथ तय बातचीत को टालना पड़ा था। छात्रों की गूंज अभियान का मकसद छात्रों की समस्याओं को सामने लाना है, जिनमें परीक्षा में गड़बड़ियां और भारत की शिक्षा व्यवस्था से जुड़ी बड़ी चुनौतियां शामिल हैं। गांधी ने सबसे पहले कोटा में छात्रों की गूंज महा रैली के ज़रिए इस अभियान की शुरुआत की थी और अब देहरादून के दौरे के साथ इसे आगे बढ़ा रहे हैं।

2.25 लाख में बेचा जा रहा था पेपर

एक्स पर गांधी ने यूजीसी नेट सोशियोलॉजी पेपर से जुड़े कई आरोपों का ज़िक्र किया। कांग्रेस सांसद ने यह भी कहा कि पेपर लीक हो गया था और भारत के कुछ हिस्सों में इसे कुल 2.25 लाख में बेचा जा रहा था। गांधी ने एक्स पर लिखा कि यूजीसी-नेट परीक्षा से ठीक पहले 10 पेज की एक पीडीएफ सर्कुलेट की गई थी। यह पीडीफ क्वेश्चन पेपर सेट करने से जुड़ी है, जो सिर्फ़ एनटीए के पास होता है। पीडीएफ में लगभग 90 सवाल असली सोशियोलॉजी क्वेश्चन पेपर के सवालों से मेल खाते हैं। यही क्वेश्चन पेपर बिहार, उत्तर प्रदेश, हरियाणा, दिल्ली और राजस्थान में 2.25 लाख में बेचा जा रहा था। उन्होंने यह भी कहा कि यही नेटवर्क अन्य परीक्षाओं के लिए भी क्वेश्चन पेपर उपलब्ध करा रहा था।

एक बार फिर पश्चिम एशिया पर छाया युद्ध का संकट

- अमेरिका ने जारी किया ईरान के 90 सैन्य ठिकानों पर एयर स्ट्राइक का वीडियो
- तेहरान बोला- जवाब देंगे, जवाबी हमले में कई जगह बम गिराए

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

वाशिंगटन। कहां अमेरिका-ईरान के बीच सीज फायर व डील की बाते 60 दिन के लिए थी। पर वह महज 10 दिनों में ही धराशाई हो गई। दोनों देशा के बीच तनाव एक बार फिर खतरनाक मोड़ पर पहुंच गया है। सीजफायर को समाप्त करते के बाद अमेरिका ने अमेरिकी केंद्रीय कमान ने ईरान के भीतर लगभग 90 सैन्य ठिकानों पर किए एयर स्ट्राइक का वीडियो जारी किया है।

अमेरिकी सेंटकॉम ने हमलों के वीडियो एक्स पर पोस्ट करते हुए लिखा, इन हमलों का उद्देश्य स्ट्रेट ऑफ होर्मुज में कमर्शियल जहाजों और निर्दोष नाविकों पर हमला करने की ईरान की क्षमता को और कमजोर करना था। इस बयान के साथ, सेंटकॉम ने ऑपरेशनल वीडियो फुटेज जारी किया जिसमें सटीक हमले और कई द्वितीयक विस्फोट दिखाए गए हैं, जिन्हें उसने ईरानी सैन्य ठिकानों के रूप में पहचाना है। गौरतलब है कि अमेरिका-ईरान के बीच अचानक सीजफायर टूटने के बाद वैश्विक स्तर पर चिंता फैल गई है, जिसके चलते संयुक्त राष्ट्र , पाकिस्तान और कतर ने तत्काल संयम बरतने का आह्वान किया है, जबकि अंतरराष्ट्रीय राजनयिक प्रयास क्षेत्रीय युद्ध को रोकने के लिए सक्रिय रूप से प्रयासरत हैं।

अमेरिकी सैन्य अधिकारियों के अनुसार, इस नए हवाई हमलों में विशेष रूप से ईरान की प्रमुख सैन्य संपत्तियों को निशाना बनाया गया, जिनमें वायु रक्षा प्रणाली, मिसाइल और ड्रोन भंडारण सुविधाएं और महत्वपूर्ण रणनीतिक कमान नेटवर्क शामिल हैं।

80 ईरानी सैन्य ठिकानों पर हमला

अमेरिकी रक्षा अधिकारियों ने खुलासा किया कि 7 जुलाई को अमेरिकी सेना ने लगभग 80 ईरानी सैन्य ठिकानों पर हमला किया, जिसमें इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कोर (आईआरजीसी) की 60 से अधिक नौकाओं को नष्ट किया गया। इन हमलों को लेकर अमेरिका का कहना है कि यह हमला स्ट्रेट ऑफ होर्मुज से गुजर रहे तीन कामर्शियल जहाजों पर ईरान के आक्रामक समुद्री हमलों की सीधी प्रतिक्रिया थी। अमेरिकी सेनाएं सतर्क, घातक और कमांडर इन चीफ द्वारा निर्देशित अभियानों को अंजाम देने के लिए तैयार हैं।

ईरान ने दी चेतावनी-हम भी पीछे नहीं हटेंगे

इस हमले की प्रतिक्रिया में, तेहरान ने वाशिंगटन को अपनी कड़ी चेतावनी दोहराई और कहा कि अमेरिका द्वारा किसी भी प्रकार की और सैन्य दुस्साहस की स्थिति में गंभीर जवाबी कार्रवाई की जाएगी। इन हमलों की निंदा करते हुए, ईरानी संसद के अध्यक्ष मोहम्मद बगेर गालिबफ ने अमेरिकी प्रशासन पर टकराव वाली विदेश नीति पर अड़े रहने का आरोप लगाया और तर्क दिया कि वाशिंगटन यह समझने में विफल रहा है कि धमकी देना और वादे तोड़ना अब मुफ्त नहीं है। ईरानी संसद के अध्यक्ष मोहम्मद बगेर गालिबफ ने एक सार्वजनिक संबोधन में अमेरिका को सीधी चेतावनी देते हुए कहा, अमेरिका को अभी तक यह समझ नहीं आया है कि दादागिरी और वादे तोड़ना अब मुफ्त नहीं है। मैं इसे सीधे शब्दों में कहूं तो- अगर आप हमला करेंगे, तो हम भी पीछे नहीं हटेंगे। हम भी जवाब देंगे। गालिबफ नेआगे घोषणा की कि रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण होर्मुज जलडमरूमध्य का चोकपॉइंट पूरी तरह से तेहरान के संप्रभु नियंत्रण में रहेगा और इसकी परिचालन समुद्री स्थिति का फैसला पश्चिमी धमकियों से नहीं, बल्कि ईरान द्वारा ही किया जाएगा। गालिबफ ने चुनौती भरे लहजे में कहा, बेकार में हाथ-पैर मत मारो, वरना और भी गहरे दलदल में फंस जाओगे। होर्मुज जलडमरूमध्य केवल ईरानी समझौतों से ही खुलेगा, अमेरिकी धमकियों से नहीं।

मप्र में सड़क हादसा खड़े ट्रक से टकराई कार, पांच की मौत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

भोपाल। मध्य प्रदेश के उमरिया जिले में बृहस्पतिवार तड़के एक भीषण सड़क हादसे में एक ही परिवार के पांच लोगों की मौत हो गई। पुलिस ने जानकारी दी कि यह हादसा सिविल लाइन थाना क्षेत्र के भरौला गांव के निकट हुआ, जब एक कार सड़क किनारे खड़े एक ट्रक से जा टकराई।

पुलिस के एक अधिकारी ने बताया कि यह हादसा तड़के साढ़े तीन बजे सिद्धबाबा धाम के पास हुआ। इस घटना में चार लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि गंभीर रूप से घायल एक महिला ने अस्पताल में इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। अधिकारी के अनुसार, टक्कर इतनी भीषण थी कि कार के परखच्चे उड़ गए और उसमें फंसे लोगों को काफी मशक्कत के बाद बाहर निकाला जा सका। मृतकों में एक पुरुष, तीन महिलाएं और एक बच्चा शामिल हैं। उन्होंने बताया कि सभी मृतक अनूपपुर जिले के राजेंद्रग्राम थाना क्षेत्र के लिलहाटोला गांव के निवासी थे और चित्रकूट जा रहे थे। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक आलोक कुमार शर्मा ने बताया कि मृतकों के परिजन अनूपपुर जिले से उमरिया पहुंच रहे हैं।

हल्की बारिश से नगर निगम की मानसून तैयारियों की खुली पोल

- कहां तो स्मार्ट सिटी बनाने का था शोर, अब तो जलभराव चहुंओर

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। एक हल्की बारिश से नगर निगम की मानसून तैयारियों और जलभराव रोकने के दावों की पोल खुल गई, जब कुछ देर की बारिश में ही जोन-6 के हुसैनाबाद क्षेत्र स्थित ऐतिहासिक घंटाघर के पास मुख्य मार्ग पर भारी जलभराव हो गया। सड़कें पानी में डूब गईं, जिससे राहगीरों और वाहन चालकों को घंटों परेशानी का सामना करना पड़ा। इतना ही नहीं, कई स्थानों पर सीवर उबलने से गंदा पानी सड़कों पर फैल गया।

स्थानीय लोगों का कहना है कि सीवर और नालों की समय पर सफाई नहीं होने के कारण हर बारिश में यही स्थिति बन जाती है। कई इलाकों में जलभराव इतना अधिक था कि पानी लोगों के घरों तक पहुंच गया। हुसैनाबाद और घंटाघर क्षेत्र लखनऊ के प्रमुख ऐतिहासिक एवं पर्यटन स्थलों में शामिल हैं, जहां प्रतिदिन बड़ी संख्या में देश-विदेश से पर्यटक पहुंचते हैं। ऐसे महत्वपूर्ण क्षेत्र में जलभराव ने नगर निगम और जलकल विभाग की तैयारियों पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।

दो दिन पहले महापौर ने की थी बैठक

बताया जा रहा है कि महापौर को भी पहले से आशंका थी कि बारिश के दौरान शहर में जलभराव की समस्या उत्पन्न हो सकती है। इसी को देखते हुए दो दिन पहले उन्होंने जलकल विभाग के अधिकारियों के साथ बैठक कर विभिन्न मदों से निर्मित नालियों की कनेक्टिविटी की समीक्षा की थी और स्पष्ट निर्देश दिए थे कि बारिश के दौरान कहीं भी जलभराव की स्थिति नहीं बनने दी जाए। इसके बावजूद जोन-6 के कई इलाकों में सड़कें पानी से लबालब हो गईं और लोगों के घरों तक पानी पहुंच गया।

बारिश से पहले नगर निगम ने नालों की सफाई, सीवर व्यवस्था दुरुस्त करने और जलभराव रोकने के बड़े-बड़े दावे किए थे, लेकिन पहली ही अच्छी बारिश ने उन दावों की वास्तविकता सामने ला दी। जब शहर के सबसे प्रमुख पर्यटन स्थलों में शामिल घंटाघर क्षेत्र का यह हाल है, तो बाकी इलाकों की स्थिति का सहज ही अंदाजा लगाया जा सकता है। यदि सीवर और नालों की नियमित सफाई तथा जल निकासी व्यवस्था समय पर दुरुस्त की जाती, तो शायद हर बारिश में लोगों को ऐसी परेशानी का सामना नहीं करना पड़ता। अब एक बार फिर जलकल विभाग की कार्यप्रणाली और नगर निगम की तैयारियां सवालों के घेरे में हैं।

मानसून का कहर, बाढ़ और भूस्खलन ने बढ़ाई मुसीबतें

- यूपी-दिल्ली-मुंबई में हर तरफ पानी ही पानी, कई लोग हताहत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। देश के कई हिस्सों में हुई मूसलाधार मानसून की बारिश ने भारी तबाही मचाई है। कई राज्यों में अचानक आई बाढ़, भूस्खलन और गंभीर जलभराव के कारण जनजीवन पूरी तरह अस्त-व्यस्त हो गया है। रेल, सड़क और हवाई यातायात बुरी तरह प्रभावित होने से लाखों लोग जहां-तहां फंस गए हैं।

आपदा की गंभीरता को देखते हुए केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने केरल, महाराष्ट्र, गुजरात और जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्रियों से फोन पर बात कर स्थिति की जानकारी ली और केंद्र की ओर से हरसंभव सहायता का आश्वासन दिया। महाराष्ट्र के पिंपरी-चिंचवड़ में कूड़े का पहाड़ एक इमारत पर गिरने से 11 लोगों के फंसे होने की आशंका है।

वहीं दिल्ली और मुंबई के कई इलाकों में जलभराव हो गया। गुजरात के सूरत में भी भारी बारिश से हालात गंभीर बने हुए हैं। अधिकारियों के अनुसार, पिछले कुछ दिनों में कई जिले में बारिश से जुड़ी घटनाओं में कम से कम नौ लोगों की मौत हो चुकी है।

एनसीआर में जलभराव हो गया और यातायात जाम

राष्ट्रीय राजधानी-एनसीआर दिल्ली व यूपी में लगातार हो रही मूसलाधार बारिश से कई इलाकों में जलभराव हो गया और यातायात धीमा पड़ गया। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने गरज-चमक और भारी बारिश की चेतावनी देते हुए रेड और ऑरेंज अलर्ट जारी किया है।

महाराष्ट्र कार्यालय:- 4पीएम न्यूज़ नेटवर्क, 2-डी सिटी मॉल, अंधेरी वेस्ट, मुंबई, महाराष्ट्र - 400053। **विधि सलाहकार**: मोहम्मद हैदर
*इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी।
RNI-UPHIN/2015/62233, दूरभाष: 0522- 4078371 | **Email**: daily4pm@gmail.com | **website:** www.4pm.co.in |
समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।

स्वामी **4 पीएम** न्यूज नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए
मुद्रक एवं प्रकाशक **संजय शर्मा**
द्वारा **आस्था प्रिंटर्स**, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से मुद्रित
पता 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से प्रकाशित। **संपादक- संजय शर्मा**